जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:153 दिनांक:06-10-2024 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

5 अक्टूबर, 2024 को हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में इंतजार करते मतदाता। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए लगभग 62% मतदान दर्ज किया गया ।

महाराष्ट्र के ठाणे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ठकांग्रेस देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है।

कांग्रेस की मुट्ठी में दिख रहा हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में भी एनसी गठबंधन को बढ़त

नई दिल्ली। हाल ही में केंद्र की सत्ता में तीसरी बार वापसी करने वाली भाजपा को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणाम निराश कर सकते हैं। शनिवार को हरियाणा में मतदान के बाद आए विभिन्न एजेंसियों के चुनाव पूर्वानुमान (एग्जिट पोल) में भाजपा को नुकसान होता दिखाई दे रहा है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले एग्जिट पोल में परिणामों का अनुमान लगाया गया है जिसमें हरियाणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। वहीं जम्मू एवं कश्मीर में भी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। कुल मिलाकर दोनों राज्यों में भाजपा को नुकसान होता दिखाई दे रहा है। पढ़ें एग्जिट पोल्स का विश्लेषण।

हरियाणा में कांग्रेस जहां अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत की मजबूत सरकार बनाती दिख रही है, वहीं जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद हुए चुनाव में भाजपा बहुत मामूली बढ़त करती दिख रही है। हालांकि, महबूबा मुफ्ती के दल पीडीपी के ढलान के चलते नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने के आसार हैं।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यहां पहली बार व 10 साल बाद विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ है, जिस कारण जम्मू-कश्मीर की जनता ही नहीं पूरे देश की निगाहें चुनाव नतीजों पर टिकी हुई हैं। हर किसी को चुनाव परिणाम का बेसब्री से इंत जार है। आज, 5 अक्टूबर को शाम हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव के एग्जिट पोल आने शुरू हो जाएंगे। तो आइए जानते हैं क्या है एग्जिट पोल का अनुमान

जम्मू डिवीजन -1. बीजेपी को 27-31 सीटें मिल सकती हैं।

2. नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को 11-15 सीटें,3. पीडीपी को 2 सीटें मिल सकती हैं

कश्मीर घाटी 1 . बीजेपी को 0-1 सीट मिल सकती है 2. एनसी-कांग्रेस गठबंधन को 29-33 सीटें मिल सकती हैं 3. पीडीपी को 6-10 सीटें और 4. अन्य को 6-10 सीटें मिल सकती हैं

न्यूज 18 के महापोल में जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन को 33 सीटें दी गई हैं। वहीं बीजेपी को 29 और पीडीपी को 06 सीटें मिली हैं। इस सर्वे में अन्य को 22 सीटें दी गई हैं। ऐसे में अन्य पार्टियां किंगमेकर की भूमिका में नजर आ सकती हैं। इंडिया-सीवोटर के सर्वे में जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन को बहुमत दिया गया है। एग्जिट पोल में बीजेपी को 27 से 32 सीटें और इंडिया गठबंधन को 40 से 48 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। वहीं पीडीपी को 6 से 12 सीटें मिल सकती हैं अन्य के खाते में 6 से 11 सीटें जा सकती हैं।

विवादित ज़ाकिर नाइक के 'एक्स' हैंडल पर भारत में रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। विवादित इस्लामिक उपदेशक और भारतीय कानून के तहत भगौड़े घोषित ज़ाकिर नाइक के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर भारत में रोक लगा दी है। इस निर्णय के पीछे कानूनी कार्रवाई करने की मांग का जिक्र किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी उपस्थिति अब भारत में संभव नहीं होगी। नाइक के एक्स हैंडल पर यह सूचना दी गई है कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के चलते भारत में उनकी पहुंच प्रतिबंधित कर दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय सरकार उनकी गतिविधियों पर नज़र रखकर उन्हें नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठा रही है।

इसके पहले, भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी नाइक की पाकिस्तान यात्रा पर प्रतिक्रिया दी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारतीय क़ानून के अनुसार भगौड़े नाइक का पाकिस्तान में गले लगाकर उच्च स्तर पर स्वागत किया गया है। यह बहुत निराशाजनक और निंदनीय है, लेकिन यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के एग्जिट पोल में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के एग्जिट पोल में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकार बनती दिखाई दे रही है। हरियाणा में 90 सीटों के अधिकतर एग्जिट पोल्स कांग्रेस की बंपर जीत करवा रहे हैं। वहीं बीजेपी 10 साल बाद सत्ता से बाहर होती दिख रही है। दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल ने कांग्रेस को 44 से 54 और बीजेपी को 15 से 29 सीटें, वहीं ध्रुव रिसर्च ने बीजेपी को 22 से 32 और कांग्रेस को 50 से 64, पीपुल्स प्लस एग्जिट पोल ने कांग्रेस को 49 से 61 और बीजेपी को 20 से 32 सीटें वहीं रिपब्लिक भारत-मेट्रिज ने कांग्रेस को 55 से 62 और बीजेपी को 18 से 24 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

जम्मू-कश्मीर में 90 सीटों के एग्जिट पोल्स में कांग्रेस और एनसी सबसे आगे हैं। पीपुल्स प्लस के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 46 से 50 यानी बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है। दैनिक भास्कर ने 35 से 40 यानी त्रिशंकु सरकार का अनुमान और इंडिया टुडे और सी वोटर ने40से 48 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। इन एग्जिट पोल्स के नतीजों की मानें तो जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और एनसी की सरकार बनने का अनुमान है।

बिना जांच के हर महीने बाजार में बिक रही हैं करोड़ों की दवाइयां

राज्यों में नहीं हैं ड्रग इंस्पेक्टर,भगवान भरोसे है मरीजों की जान

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सहित देश भर के सभी राज्यों में दवाइयों की जांच करने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर का अमला ही नहीं है। ड्रग और कॉस्मेटिक की जांच करने के लिए पर्याप्त संख्या में लैबोरेट्री नहीं है। राज्य सरकारों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स के पद कभी नहीं बढ़ाये। जो पद 30 साल पहले स्वीकृत थे। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद नई भर्ती नहीं की गई। जिसके कारण तीन दशक पहले की स्वीकृत संख्या में किसी भी राज्य में ड्रग इंस्पेक्टर उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण दवाइयों और दवा दुकानों की जांच संभव नहीं हो पा रही है।

महाराष्ट्र में 200 ड्रग इंस्पेक्टर के पद स्वीकृत हैं। इसमें से 120 पद खाली पड़े हुए हैं।जो ड्रग इंस्पेक्टर रिटायर हो गए। उसके बाद उन्हें भरा ही नहीं गया। यही स्थिति लगभग सभी राज्यों की है। दवा का कारोबार और अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ती रही। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दवाइयां की गुणवत्ता और उसकी बिक्री को लेकर मरीजों को दवा कंपनियों के भरोसे पर छोड़ दिया गया है।

जब नकली दवा का सारा कारोबार सामने आया, इसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया राज्यों द्वारा शुरू की जा रही है। मध्य प्रदेश गुजरात इत्यादि राज्यों में भी एक-एक ड्रग इंस्पेक्टर को कई जिलों का प्रभार सोपा गया है। जिसके कारण ना तो वह दवा दुकानों में बिकने वाली दवाइयां की जांच कर पा रहे हैं। नाही अस्पतालों में सप्लाई हो रही दवाइयां की जांच हो पा रही है।वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। मरीज भगवान के भरोसे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोई चिंता अपने नागरिकों की नहीं है।

किसानों को मिली 20 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी कर दी है। इस बार पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम से 9.4 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपए की किस्त भेजी है। 18वीं किस्त के रूप में कुल 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि ट्रांसफर की गई है। वहीं इस योजना के तहत महाराष्ट्र के 91.5 लाख किसानों को 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा का सीधा लाभ मिला है।

इस योजना के तहत सरकार 2,000 रुपए की 3 किस्तों में किसानों को हर साल 6,000 रुपए देती है। पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है। योजना के तहत सरकार अब तक 17 किस्तों में किसानों के खाते में 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेज चुकी है।

चेन्नई के मरीना बीच पर होगा भव्य एयर शो, वायुसेना के 72 जहाज लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली मरीना बीच पर होने वाले भव्य एयर शो में हिस्सा के लेने के लिए सुलूर, तंजावुर, तांबरम, अरक्कोणम और बेंगलुरु से भारतीय वायुसेना के 72 जहाज उड़ान भरेंगे, जो पूर्वी तट पर मिलेंगे। इस एयर शो में भारत का गौरव कहे जाने वाला स्वदेश में बना लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के साथ-साथ राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटरजेट भी फ्लाईपास्ट में हिस्सा होंगे।

92वां वायुसेना दिवस समारोह इस बार चेन्नई के मरीना बीच पर मनाया जा रहा है। 21 सालों में पहली बार, चेन्नई वायुसेना दिवस समारोह की मेजबानी करेगा। 06 अक्तूबर को होने वाला इस बार यह समारोह पहले से कहीं ज्यादा भव्य होगा। इस मौके पर मरीना बीच पर एक शानदार एयर शो के साथ भारतीय वायुसेना लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराने की भी कोशिश करेगी। वायुसेना के मुताबिक, मरीना बीच पर होने वाले भव्य एयर शो में हिस्सा के लेने के लिए सुलूर, तंजावुर, तांबरम, अरक्कोणम और बेंगलुरु से भारतीय वायुसेना के 72 जहाज उड़ान भरेंगे, जो पूर्वी तट पर मिलेंगे। इस एयर शो में भारत का गौरव कहे जाने वाला स्वदेश में बना लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के साथ-साथ राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटरजेट भी फ्लाईपास्ट में हिस्सा होंगे। इसके अलावा सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम भी अपने हवाई करतब दिखाएगी। साथ ही, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव एमके4 भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा नौसेना के इ8ध और विंटेज डकोटा भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे।

भारतीय वायुसेना रविवार को चेन्नई के मरीना बीच पर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज कराने की कोशिश करेगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले दो घंटे के एयरशो में लगभग 15 लाख दर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है, ऐसे में वायुसेना को उम्मीद है कि एयरशो में इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों के हिस्सा लेने से लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी नाम दर्ज कराकर इतिहास बनेगा। इस कार्यक्रम में एयर एक्सरसाइज के अलावा सागर, आकाश, एरोहेड, त्रिशूल, रुद्र और ध्वज जैसी फॉरमेशंस भी दिखाई जाएंगी।

पिछले कुछ सालों से भारतीय वायुसेना अलग-अलग शहरों में वायुसेना दिवस समारोह आयोजित कर रही है। पिछले साल प्रयागराज में और उससे पिछले साल चंडीगढ़ में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस साल चेन्नई में कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे वायुसेना की कोशिश है कि शो को जनता के करीब लाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग देश की हवाई क्षमताओं के साक्षी बनें।

एयरशो की तैयारी के लिए, चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र (ईं) 8 अक्तूबर तक बीच-बीच में कुछ समय के लिए 15 मिनट से लेकर दो घंटे तक के लिए बंद रहेगा। इस दौरान कोई भी नागरिक विमान न तो लैंड करेगा और न ही टैक ऑफ करेगा। सबसे लंबे वक्त के लिए 6 अक्तूबर को, एयरशो के दिन, सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक के लिए हवाई क्षेत्र बंद रहेगा।

राहुल गांधी का बड़ा ऐलान, 'सत्ता में आए तो बढ़ाएंगे आरक्षण की सीमा, हटेगी 50 फीसदी की लिमिट'

मुंबई: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि संविधान की रक्षा के लिए आरक्षण पर मौजूदा 50 प्रतिशत की सीमा को हटाना जरूरी है। राहुल ने यहां 'संविधान सम्मान सम्मेलन' में कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन यह सुनिश्चित करेंगे कि आरक्षण की इस 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने के लिए कानून पारित हो। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''हम सुनिश्चित करेंगे कि लोकसभा और राज्यसभा में जातिगत जनगणना पर कानून पारित हो और कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकेगी। संविधान की रक्षा के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाना आवश्यक है।''

राहुल गांधी ने कहा कि जब उनकी पार्टी जातिगत जनगणना की बात करती है, तो वह इसमें दो और पहलू जोड़ना चाहती है- पहला, प्रत्येक समुदाय की आबादी की पहचान करना और दूसरा, भारत की वित्तीय प्रणाली पर उनका कितना नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की जनसंख्या पर आंकड़े जुटाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश की 90 प्रतिशत आबादी के लिए अवसरों के दरवाजे बंद किए जा रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत का बजट 90 शीर्ष आईएएस अधिकारी तय करते हैं, और देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय कुल जनसंख्या का कम से कम 50 प्रतिशत है, लेकिन इन 90 अधिकारियों में से केवल तीन ओबीसी हैं। राहुल गांधी ने कहा कि देश में दलितों और आदिवासियों की संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और आठ प्रतिशत है, लेकिन बजट तय करने वाले उन 90 आईएएस अधिकारियों में इन समुदायों से केवल क्रमशः तीन और एक अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जातिगत जनगणना का विरोध करते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि सच्चाई सामने आए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों में दलितों या पिछड़े वर्गों का इतिहास नहीं पढ़ाया जा रहा है और अब उस इतिहास को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण किया जा रहा है और इसे 'आरक्षण-मुक्ति' कहा जाना चाहिए। उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर वर्षों से ऐसा करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने दावा किया कि सशस्त्र बलों में अग्निपथ योजना 90 प्रतिशत लोगों से पेंशन छीनने की एक चाल है। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''अग्निपथ योजना की हकीकत यह है कि भारतीय युवाओं की

'अगर हम बटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे', ठाणें में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है। उन्होंने आगे कहा कि वे जमीन लूटने वाले, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले और शहरी नक्सलियों का समर्थन करने वाले हैं। पीएम ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हम बंट गए तो हमें बांटने वाले जश्न मनाएंगे।

महाराष्ट्र के ठाणे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ठकांग्रेस देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है। हरियाणा में एक कांग्रेस नेता ड्रग्स के साथ पकड़ा गया। वे लोगों का शोषण करने के नए-नए तरीके खोजने की कोशिश करते हैं। हिमाचल प्रदेश में, उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने शौचालय कर नामक एक नया कर पेश किया है, जो कल्पना से परे है। एक तरफ, मैं शौचालय उपलब्ध करा रहा हूं और दूसरी तरफ, वे लोगों पर शौचालय के लिए कर लगा रहे हैं। वे जमीन लूटते हैं और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। कांग्रेस आज पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। वे एक शहरी नक्सल गिरोह चला रहे हैं। कांग्रेस खुले तौर पर उन लोगों के साथ खड़ी है जो भारत के विकास को रोकना चाहते हैंठ

उन्होंने आगे कहा, 'वे समाज को बांटकर सत्ता में आने के मिशन पर हैं। हमें इतिहास से सबक लेना होगा। हमें एकजुट रहना होगा। अगर हम बंट गए तो, जो लोग हमें बांट रहे हैं वे जश्न मनाएंगे (अगर हम बताएंगे तो, बात करने वाले महफिल सजाएंगे)। वे जहां भी जाते हैं, विनाश होता है। उन्होंने देश को गरीबी में धकेल दिया। उनके गठबंधन में आने वाली अन्य पार्टियां भी तुष्टिकरण की बात करने लगती हैं। कांग्रेस सावरकर का अपमान करती है। कांग्रेस घोषणा कर रही है कि वे फिर से अनुच्छेद 370 लाएंगेठ महा विकास अघाड़ी पर कटाक्ष करते हुए पीएम ने कहा कि वे राज्य में विकास को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

उन्होंने आगे कहा, ठसत्ता में आने के बाद वे सबसे पहले सीएम शिंदे द्वारा शुरू की गई विकास योजनाओं पर रोक लगाएंगे। आज, हर नागरिक का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत। इसलिए हमारी सरकार का हर निर्णय, संकल्प और सपना विकसित भारत को समर्पित है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें मुंबई और ठाणे जैसे शहरों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा। लेकिन, इसके लिए हमें दोहरी मेहनत करनी होगी - 'क्योंकि हमें विकास भी करना है और कांग्रेस सरकार के गहों को भी भरना है।'

चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरते वक्त विमान का टायर फटा

चेन्नई ,विमान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरा ही था कि उसका पीछे का एक टायर फट गया। इससे विमान में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान का टायर फट गया। विमान मस्कट से 146 यात्रियों को लेकर आया था। अधिकारियों ने बताया कि यात्री सुरक्षित हैं। बताया गया कि मस्कट से आ रहा विमान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरा ही था कि उसका पीछे का एक टायर फट गया। इससे विमान में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान की वापसी यात्रा रद्द कर दी गई है और सभी यात्रियों को शहर के विभिन्न होटलों में ठहराया गया है।

जम्मू-कश्मीर में परिणाम से पहले पांच विधायकों का नामाकंन....कांगेस नाराज

जम्मू (ईएमएस)। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन से पहले पांच विधायकों के नामांकन का कड़ा विरोध कर कदम को लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों पर हमला करार दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गृह मंत्रालय की सिफारिश के आधार पर उपराज्यपाल (एलजी) इन सदस्यों को नामित करने वाले है। यह प्रक्रिया जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन के बाद पहली बार लागू होगी। इस अधिनियम को 26 जुलाई, 2023 को संशोधित किया गया था। एलजी द्वारा पांच सदस्यों को मनोनित करने के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा की संख्या 95 सदस्यों की हो जाएगी, जिससे सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 48 सीटों तक बढ़ेगा।

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन से पहले उपराज्यपाल द्वारा पांच विधायकों के नामांकन का विरोध करते है। इस दौरान उनके साथ जेकेपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी को पता है कि उसके पास सरकार बनाने के लिए जरूरी संख्या नहीं होगी, इसलिए पांच विधायकों को मनोनित करके वह जनादेश में हेरफेर करने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा, संवैधानिक ढांचे के तहत उपराज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, एलजी के पास पांच विधायकों को नामित करने की शक्ति है, जिसमें कश्मीरी पंडितों (केपी) और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) के शरणार्थियों का प्रतिनिधित्व शामिल है।

कांग्रेस नेता शर्मा ने नामांकन प्रक्रिया नई सरकार के कार्यभार संभालने और मनोनित पदों के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बाद ही शुरू होनी चाहिए। उन्होंने पीओजेके शरणार्थियों, केपी और अन्य अल्पसंख्यकों के लिए विधानसभा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व का वादा करने, लेकिन उसे पूरा करने में विफल रहने के लिए भी भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, सिक्किम विधानसभा में बौद्ध समुदायों के लिए सीटें आरक्षित हैं। पीओजेके शरणार्थियों के लिए बीजेपी ने आठ सीटें रिजर्व करने की बात कही थी, लेकिन सिर्फ एक सीट दे रही है।

5 राज्यों के 22 ठिकानों पर एनआईए का छापा

नई दिल्ली(ईएमएस)। नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी ने महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में 22 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। एनआईए ने एक आतंकी साजिश मामले को लेकर एक्शन लिया है। इसमें कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। एनआईए को आशंका है कि हिरासत में लिए गए लोगों का कनेक्शन आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है। महाराष्ट्र के मालेगांव, जालना और संभाजीनगर में एनआईए की छापेमारी के दौरान एटीएस की टीम भी मौके पर पहुंची है। मालेगांव में एक होम्योपैथी क्लिनिक से एनआईए ने 3 लोगों को हिरासत में लिया। जालना से भी 1 शख्स को हिरासत में लिया गया। इनसे आतंकी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर पूछताछ की गई है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में जिस शख्स के यहां छापा मारा गया है, उसका नाम इकबाल भट है। उस पर टेरर फंडिंग के आरोप हैं।

पुलिस पर पथराव, 21 पुलिसवाले घायल

अमरावती(ईएमएस)। महाराष्ट्र के अमरावती में शुक्रवार देर रात को नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन पर पथराव हुआ। इसमें 21 पुलिसवाले घायल हुए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोडक़र स्थिति को संभाला। दरअसल, 29 सितंबर को गाजियाबाद में नरसिंहानंद महाराज ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इससे गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार देर रात पुलिसवालों पर पत्थरबाजी की। अमरावती पुलिस कमिश्नर नवीन चंद्र रेड्डी ने बताया कि रात करीब 8.15 बजे कुछ लोग नरसिंहानंद के खिलाफ केस दर्ज कराने नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन आए। थाना प्रभारी ने उन्हें बताया कि नरसिंहानंद के खिलाफ एफआईआर पहले ही दर्ज हो चुकी है, जिसके बाद वो लोग लौट गए थे।

नहीं आई किसान सम्मान निधि की किस्त.....परेशानी का हल करेगी ये खबर

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त का इंतजार कर रहे करोड़ों किसानों के लिए खुशखबरी है। मोदी सरकार की ओर से किसानों के खाते में 18वीं किस्त की राशि शनिवार को जारी कर दी गई है। अगर आपके खाते में पीएम किसान के पैसे नहीं आए हैं तब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस तरह परेशानी हल हो सकती है।

अगर आपने अपना बैंक अकाउंट आधार से लिंक नहीं कराया है, तब आपको पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा अगर आपने अपने बैंक अकाउंट की केवाईसी नहीं कराई है, तब आपके खाते में पीएम सम्मान निधि के पैसा नहीं आएंगे। इसके साथ ही किस्त न आने पर आप नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करके जानकारी हासिल कर सकते हैं।

पीएम किसान से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए आप टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 011-23381092 पर संपर्क कर सकते हैं। यहां आपको अपनी समस्या का समाधान मिल जाएगा।

ये है ईकेवॉयसी करने का आसान तरीका सबसे पहले पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होम पेज पर किसान सेक्शन में जाकर ईकेवॉयसी का ऑप्शन सेलेक्ट करें। अब आपको अपना 12 अंक का आधार नंबर डालना होगा।आधार नंबर डालकर सर्च ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद आपको अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। नंबर दर्ज करने का बाद आपके आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी जाएगा। ओटीपी दर्ज करने के बाद सब्मिट बटन पर क्लिक करें।

सितंबर में वेज थाली की कीमत 11 प्रतिशत बढ़ी

प्याज-आलू और टमाटर के भाव ने दाम बढ़ाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत सितंबर में (सालाना आधार पर) 11 प्रतिशत बढक़र 31.3 रुपए हो गई। पिछले साल सितंबर 2023 में वेज थाली की कीमत 28.1 रुपए थी। क्रिसिल ने जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत में पिछले महीने अगस्त की तुलना में सितंबर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगस्त में वेज थाली की कीमत 31.2 रुपए थी।

वहीं नॉन-वेज थाली की कीमत सितंबर में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत गिरकर 59.3 रुपए हो गई। पिछले साल सितंबर 2023 में नॉन वेज थाली की कीमत 60.7 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी अगस्त की तुलना में सितंबर में नॉन-वेज थाली की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगस्त में नॉन-वेज थाली की कीमत 59.3 रुपए ही थी।

प्याज, आलू, टमाटर ने दाम बढ़ाए

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जियों के दाम बढऩे के चलते वेज थाली कॉस्ट में बढ़ोतरी हुई है। वेज थाली कॉस्ट में सब्जियों की 37 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है। सालाना आधार पर प्याज (53 प्रतिशत), आलू (50 प्रतिशत), टमाटर (18 प्रतिशत) और दाल (14 प्रतिशत) की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वेज थाली की कॉस्ट में ये बढ़त देखने को मिली है। वहीं सालाना आधार पर एलपीजी सिलेंडर 11 प्रतिशत सस्ता हुआ है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

-बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के गुगलधार में लाइन ऑफ कंट्रोल पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना और पुलिस ने दो आतंकियों को मार गिराया है। भारतीय सेना की चिनार कॉप्र्स ने बताया कि शुक्रवार को सेना और पुलिस को एक संदिग्ध एक्टिविटी दिखी। इसके बाद जॉइंट आपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद मिले हैं। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भी शुक्रवार को गोलीबारी की सूचना मिली थी। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर किश्तवाड़ के चतरू गांव में ऑपरेशन शुरू किया था।

भारत ने तैयार किया शॉर्ट रेंज डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली(ईएमएस)। राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में बेहद कम दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के तीन सफल परीक्षण किए। यह चौथी पीढ़ी का डिफेंस सिस्टम है।इसे बेहद कम दूरी पर कम ऊंचाई वालेहवाई खतरों को बेअसर करने के लिए बनाया गया है। इस मिसाइल और लॉन्चर को ऐसे डिजाइन कियागया है कि इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सके। इससे पहले फरवरी,2024और सितंबर, 2022 में भी इसी तरह की मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को हालिया परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय सेना को चौथी पीढ़ी की वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलों के परीक्षण के लिए बधाई दी।

यति नरसिंहानंद के बयान पर दूसरे दिन भी बवाल, प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ा, पांच अरेस्ट

गाजियाबाद। नाहल गांव के फिरोज खान नाम के शख्स ने फेसबुक पर पोस्ट डालकर कहा है कि जो यति नरसिंहानंद का सिर कलम करेगा, उसे एक लाख का इनाम दिया जाएगा।जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और डासना शिव शक्ति धाम मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद के बयान पर दूसरे दिन भी बवाल हुआ। कैला भट्ठा में लोगों ने महंत की गिरफ्तारी के लिए प्रदर्शन किया। पुलिस के कहने पर भी ये लोग हटे नहीं। इस पर उन्हें पुलिस ने बल पूर्वक खदेड़ा। इस मामले में केस दर्ज कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जगह-जगह प्रदर्शन करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने पांच केस दर्ज किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में युवा शक्ति दल के अध्यक्ष रवि गौतम, अरविंद गौतम, कपिल गौतम, हासिम और अर्पित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि रवि गौतम ने आपत्तिजनक बयान दिया था। इससे पहले शुक्रवार की रात बड़ी संख्या में लोग शिवशक्ति धाम पहुंच गए थे। महंत मंदिर में मौजूद थे। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को बल पूर्वक खदेड़ा।

शनिवार को पुलिस ऑफिस में आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता व मुस्लिम समाज के लोग नारेबाजी करते हुए पहुंचे। उन्होंने यति नरसिंहानंद सरस्वती और छोटा नरसिंहानंद कहे ज

जन हितैषी

विदेशी बिकवाली, घरेलू खरीदारी से बैंक, म्युचुअल फंड और एलआईसी संकट में

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक अपना निवेश निकालकर मुनाफा वसूली करने में लग गए हैं। पिछले 5 दिनों में विदेशी निवेशकों ने लगभग 40000 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। इसके पहले भी विदेशी निवेशकों ने मुनाफा वसूली की है। विदेशी निवेशकों द्वारा चीन के शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। भारत के शेयर बाजार से निवेशकों को पिछले 5 दिनों में लगभग 16.5 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। इसमें भारत के घरेलू छोटे निवेशक और भारतीय वित्तीय संस्थानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए सरकार ने पूरी ताकत लगा दी है। बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। म्युचुअल फंड 2 लाख करोड रुपए शेयर बाजार में निवेश कर के वर्तमान गिरावट को रोकने की तैयारी मे हैं। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन गई हैं। भारतीय शेयर बाजार, अडानी समूह की कंपनियों के निवेश को लेकर हिडनबर्ग की रिपोर्ट, सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर लगे आरोप, संसदीय समिति द्वारा जांच शुरू किए जाने, विपक्ष की जेपीसी की मांग को लेकर संसद सत्र के दौरान जो स्थिति बनी वह आगामी कुछ दिनों के बाद बन सकती है। ईरान, इजरायल, लेबनान, रूस और यूक्रेन के युद्ध को देखते हुए विदेशी बड़े निवेशक, भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकालकर अन्य शेयर बाजारों में निवेश कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में सोने और चांदी में निवेश किए जाने के कारण सोने के दाम भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में भारतीय बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और म्युचुअल फंड का निवेश बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में किया गया है। यह निवेश शेयर बाजार की आग में घी डालने जैसा है। यह सारा निवेश, मुनाफा वसूली के कारण शेयर बाजार में रुकने के स्थान पर और ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। पिछले दो सालों से विदेशी निवेशक भारत में खरीदी करते थे, और उस निवेश को चीन के शेयर बाजार में जाकर बेच देते थे। इस रणनीति के तहत विदेशी निवेशकों ने चीन के शेयर बाजार के जरिए भारी मुनाफा कमाया है। इसमें भारत के बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया है। जिसके कारण शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना अब संभव नहीं हो पा रहा है। कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि जिस तरह से अमेरिका में 2008 की मंदी आई थी। ऊसने सारी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था। 2008 की अमेरिकी मंदी को महामंदी का नाम दिया गया था। सितंबर 2008 में अमेरिका के लेहमन ब्रदर्स द्वारा की गई वित्तीय अनिमियतता के बाद दिवालिया होने का आवेदन देने से अमेरिका की सारी अर्थव्यवस्था एक ही झटके में ढह गई थी। अमेरिका के सैकड़ों बैंक एक-एक करके कुछ ही महीनो में दिवालियापन के शिकार हो गए थे। इसका असर सारी दुनिया के देशों में हुआ था। विश्व बैंक ने दुनिया के सभी केंद्रीय बैंकों को निर्देश दिए थे। वह डॉलर के साथ-साथ सोने में भी निवेश करें। ताकि दुनिया की अर्थव्यवस्था को कोई खतरा न पहुंचे। उसके बाद सारी दुनिया के देशों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने एवं आयात निर्यात व्यापार को नियंत्रित रखने का प्रयास किया था। भारतीय शेयर बाजार में जिस तरीके की गिरावट देखने को मिल रही है। इसका असर भारत की वित्तीय संस्थानों में पड़ना तय है। जिसके कारण आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने से नहीं चूक रहे हैं। जिस तरह की हालत अमेरिका में 2008 में हुई थी, उसी तरह के हालात भारत में 2024 को देखने को मिल रहे हैं। 1992 में जिस तरह से हर्षद मेहता ने शेयर मार्केट के माध्यम से जो गड़बड़ घोटाले किए थे, उसी तरह के आरोप हिडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए हैं। जिसके कारण दुनिया भर के निवेश भारतीय शेयर बाजार से अपनी दूरी बना रहे हैं। वहीं भारतीय कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बैंकों में शेयर गिरवी रखकर भारी कर्ज लिया है, जिसके कारण निवेशकों में भारी घबराहट देखने को मिल रही है।

ये तो लड्डू जेहाद हो गया...?

---- आखिर क्यूं खामोश हैं धर्म ध्वजा उठाने वाला तबका

विश्व प्रसिद्ध तिरूपति बालाजी मंदिर में भोग लगाने और भक्तों को बांटे जाने वाले लड्डु में पशुओं की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल किए जाने के आरोप सामने आने से लाखों लोगों की आस्था पर आघात लगा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आरोपों और लैब रिपोर्ट को सहीं माना जाए तो इससे अधिक अनैतिक और अधार्मिक कुछ हो ही नहीं सकता। जिस लड्डू को भक्तों ने भगवान व्यंक्टेश्वर की कृपा और आशीर्वाद समझकर ग्रहण किया था उसमें सुअर और बीफ के मांस से निकाली गई चर्बी का इस्तेमाल हुआ है। इतना ही नहीं अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर तिरुपति मंदिर से एक लाख लड्डू अयोध्या पहुंचे थे। तिरूपति बालाजी मंदिर में दर्शन के लिए हर रोज करीब 85 हजार से ज्यादा भक्त पहुंचते हैं। यानि लाखों लोगों ने मिलावट वाला लड्डू प्रसादम ग्रहण किया, एक तरह से लड्डू जेहाद हो गया। इस लड्डू में जानवरों की चर्बी की मिलावट की खबर ने देश भर के सनातनियों को सकते में डाल दिया है। इतना ही इस खबर के बाद देश के अन्य विख्यात मंदिरों में प्रसाद बनाने की प्रक्रिया, उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री से लेकर वितरण तक की निरीक्षण-परीक्षण किया गया। इधर, लड्डू प्रसादम में मिलावट से लेकर रिपोर्ट सार्वजनिक होने तक के मामले में भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ये मामला आस्था के साथ राजनीतिक मसला बन गया है। एसएमएस लैब सर्विस की रिपोर्ट इसी साल जून महीने की है। मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी में जानवर की चर्बी के सबूत वाली लैब रिपोर्ट जुलाई में आ गई थी लेकिन सीएम चंद्रबाबू नायडू ने इसका खुलासा एक माह बाद किया। आखिर इस लेट-लतीफी की क्या वजह थी ये भी अहम सवाल है। सीएम नायडू के गंभीर आरोपों के बाद पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने भी मीडिया से कहा कि उनकी सरकार ने पिछले कई दशकों से मंदिर में होने वाली टेंडर की तय प्रक्रिया का पालन किया है। तिरुपति तिरुमाला मंदिर के प्रसाद में मिलावट की बात सामने आने के बाद अभी तक महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों, जबानी जमा खर्च ही हुआ है और कोर्ट में अदालती कार्रवाई शुरू हुई है, इसके अलावा मंदिर के शुद्धिकरण हुआ है बाकी धर्म ध्वजा उठाने वालों का बड़ा तबका फिलहाल खामोश ही है।

दक्षिणी भारत में मौजूद भगवान तिरुपति बालाजी का चमत्कारिक मंदिर देश-दुनिया में मशहूर है। भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर की वास्तुकला और शिल्पकला देखने लायक है। ये मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरूपति के पास तिरुमला पर्वत पर स्थित है। भगवान तिरुपति बालाजी का मूल नाम श्री वेंकटेश्वर स्वामी है, जो खुद भगवान विष्णु हैं। इस मंदिर की ख्याति तिरुपति बालाजी के रूप में है और यहां भगवान विष्णु की पूजा होती है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ तिरुमला में रहते हैं। भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान वेंकटेश्वर के कई नाम हैं। उन्हें भगवान कृष्ण का प्रतिरूप माना जाता है, इसलिए उन्हें गोविंद भी कहा जाता है। तिरुमाला पहाड़ी पर स्थित मंदिर के गर्भगृह के निर्माण और उसमें मूर्ति की स्थापना के समय को लेकर अलग अलग मत है। बुद्धिजीवी श्रद्धालु मंदिर के पांच हजार साल पुराना होने का दावा भी करते हैं, लेकिन 1100 साल पहले के पल्लव राजवंश के समय से मंदिर में पूजा-अर्चना होने का इतिहास में वर्णन है। माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे दिल से भगवान वेंकटेश्वर के सामने मनोकामना मानता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है।

दुनिया भर में मशहूर और चमत्कारिक मंदिर के लड्डू में जो भगवान को भोग भी लगाया जाता था और फिर भक्तों को प्रसाद के तौर पर बांटा भी जाता था, ऐसे प्रसाद में जानवरों की चर्बी की मिलावट में न सिर्फ आस्था पर चोट की बल्कि कई संगीन सवाल खड़े कर दिए हैं। भले ही मिलावट की खबर फैलने के बाद मंदिर का शुद्धिकरण किया गया हो, शांति होमम और वास्तु पूजा की गई हो, पंचगव्य (गोबर, गौ मूत्र, दूध, घी, दही) से मंदिर को शुद्ध किया गया हो और महा शांति होमम किया गया हो लेकिन इससे अपराध कम नहीं हो जाता। आखिर जो लोग सात्विक जीवन जीते हुए मांसाहार से दूर रहते हैं, उन्हें अगर यह मालूम हो कि उन्होंने पशुओं और उसमें भी गाय-भैंस के मांस से बने घी के प्रयोग से बने प्रसाद का सेवन किया है, तो उनकी आस्था और विश्वास को कितनी ठेस पहुंची होगी। अब यह भी कहा जा रहा है कि जिन लड्डुओं को प्रसाद के रूप में बांटा जाता है, उनमें यह मिलावट नहीं थी बल्कि अन्य खाद्य पदार्थों में इसकी मिलावट की जाती थी। जानवरों के मांस से बने पदार्थों की चाहे किसी भी खाद्य सामग्री में की गई हो मामला तो संगीन है। आखिर तिरुपति बालाजी के मंदिर में मिलने वाले प्रसाद का सच क्या है। क्या हकीकत में मिलावट की जाती रही है या फिर इस सब के पीछे कोई राजनीतिक द्वेश है। सच सामने आना चाहिए। मिलावट के आरोप भी किसी ऐरे गैरे नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लगाए हैं। और लैब रिपोर्ट भी गुजरात स्थित नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की है। तिरुपति बालाजी मंदिर के मामले में सभी पक्षों से जांच होनी चाहिए और उन सभी लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए जो इसके लिए दोषी हैं। यहां बात केवल तिरुपति मंदिर में मिलने वाले देसी घी से बने लड्डुओं की ही नहीं है, बल्कि ये मंदिर देश के सबसे ज्यादा धनवान मंदिरों में से हैं। यहां चढ़ावे के रूप में नगदी के अलावा सोने-चांदी के आभूषण, जमीन जायदाद के कागज तक आते हैं। तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम ट्रस्ट के अंतर्गत श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का संचालन होता है, जो दुनिया का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट भी है। लिहाजा, प्रसाद में मिलावट की बात सिर्फ यहीं तक सीमित नजर नहीं आती। तमाम पहलुओं की जांच और उनका सार्वजनिक होना निहायत जरूरी है। (लेखक- - मुस्ताअली बोहरा/ ईएमएस)

पूजा के समय .मांस का ऑनलाइन प्रचार है गलत

अभी नवरात्र चल रहा लेकिन आजकल कुछ भी गूगल में सर्च कीजिये तो कभी ना कभी आपको गलत प्रचार जो लिशियस के मांस उत्पाद, गोदरेज चिकेन हलाल आदि मांस का प्रचार देखने को मिल जाता है इसमें अन्य कंपनियों द्वारा पता नहीं कहाँ से आ जाता है आमोज़ोंने यूपीआई से पे करें तो स्क्रैच कार्ड में मिल जाता है यह मांसहार का प्रचार नहीं तो और क्या है,यहाँ तक कि नेशनल एग कोऑर्डिनेसन कमिटी द्वारा महान क्रिकेटर श्री कपिल देव व राहुल द्रविड़ द्वारा अंडे पर प्रचार फिर से टीवी पर आने लगा कि सन्डे हो या मंडे रोज खाएं अंडे जिसकी मैं कड़ी निंदा करता हूँ और इसपर प्रचार नहीं हो सकता है क्योंकि ऐ नॉनवेज की श्रेणी मे है ऐसे चिकेन मटन का ऑनलाइन सेल का खूब प्रचार इंटरनेट पर आता है जो गलत है ऐ भगवान बुद्ध व महावीर की धरती है ऐसा नहीं होना चाहिए अंडा है क्या इसके बारे मे जानिए

वेज अंडा नॉन वेज है ऐ मुर्गी के पेट मे पल रहा चूजा है विज्ञान पर ध्यान दे भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने ऐ सिद्ध कर दिया था कि पेड़ पौधा भी सजीव है अतः उसके फल पत्ती को खाया जा सकता है लेकिन तोड़ने की गलती मत कीजियेगा क्योंकि वो पर्यावरण की रक्षा करता है बढ़ते औद्योगिकरण व जनसंख्या वृद्धि के कारण ही असमय पृथ्वी का तापमान अचानक बढ़ गया है पेड़ इसे शील्ड करते हैं अतः पेड़ सजीव है लेकिन शाकाहारी मे आता है यदि ऐसा ना हो तो आदमी क्या खाएगा अतः फल, सब्जी,पत्ती दूध दही आदि सभी शाकाहार मे आते हैं किन्तु अंडा बिल्कुल नहीं क्योंकि ऐ मुर्गी का भ्रूण है और कई मुर्गीपालन के जरिये करते है लेकिन ऐ मांसहार की श्रेणी मे आता है क्योंकि केक मे अंडा के केक का कलर कोड ग्रीन नहीं होता है भ्रूण हत्या पाप है जो इसको नहीं मानते हैं ना माने लेकिन विज्ञान पर तो दुनिया विश्वास करती है एक हालिया अध्ययन के अनुसार दुनिया भर के लोगों ने वैज्ञानिकों पर भरोसा व्यक्त किया है, लेकिन वे अनुसंधान में सरकारों के हस्तक्षेप को लेकर चिंतित भी हैं। यह निष्कर्ष वैश्विक संचार संस्थान एडेलमैन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट ट्रस्ट बैरोमीटर का है जिसके लिए मेक्सिको से लेकर जापान तक 29 देशों के 35,500 से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया था।सर्वेक्षण के 75प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों सम्बंधित सही जानकारी प्रदान करने के लिए वैज्ञानिकों पर विश्वास जताया है। इतने ही प्रतिशत लोगों ने चाहा है कि वैज्ञानिक इन नवाचारों को पेश करने में स्वयं आगे आएं। इसके विपरीत, सही जानकारी देने के संदर्भ में लोगों ने पत्रकारों और सरकारी नेताओं पर क्रमशः 48प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत ही भरोसा जताया है।हालांकि, अध्ययन में 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने देश में विज्ञान के राजनीतिकरण की बात कही है, जो राजनेताओं के हस्तक्षेप की ओर इशारा करता है। विश्व स्तर पर 59 प्रतिशत का मानना है कि सरकारें और अनुसंधान वित्तपोषक एजेंसियां वैज्ञानिक प्रयासों पर अत्यधिक प्रभाव डालते हैं। ये आंकड़े भारत में 70 प्रतिशत और चीन में 75 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 60 प्रतिशत लोगों का मानना है कि सरकारों में उभरते नवाचारों के नियमन की क्षमता का अभाव है। यह भरोसा वैज्ञानिकों के लिए एक अवसर के साथ चुनौती भी है। इस विश्वास के दम पर वैज्ञानिक प्रयास कर सकते हैं कि सरकारी नीतियां प्रमाण-आधारित बनें। इसके साथ ही वे सरकारी हस्तक्षेप और नियामक शक्तियों पर लोगों के अविश्वास सम्बंधी चिंताओं को भी संबोधित कर सकते हैं। सवाल यह उठता है कि सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए, नीतियों की दिशा सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक सरकारों के साथ कैसे सहयोग कर सकते हैं?कई विशेषज्ञ इस रिपोर्ट को काफी महत्वपूर्ण बताते हैं जो कोविड-19 महामारी और कृत्रिम बुद्धि के उदय जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान और नवाचार पर वैश्विक फोकस के साथ मेल खाती है। हालिया समय में दुनिया भर की सरकारें क्लस्टरिंग विश्वविद्यालयों से लेकर उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने और नवीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करने की विभिन्न रणनीतियों की तलाश कर रही हैं। एक हालिया प्रस्ताव में चिकित्सा विज्ञान में एआई की बड़ी भूमिका की वकालत की गई है लेकिन नियामक सुधारों को भी आवश्यक बताया है। गौरतलब है कि इस पूरे मामले में सामाजिक विज्ञान एक ऐसे उपकरण के रूप में उभरा है जिसका उपयोग नहीं किया गया है। यूके एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज़ की एक रिपोर्ट में डैटा वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, नैतिकताविदों, कानूनी विद्वानों और समाजशास्त्रियों की विशेषज्ञता की चर्चा करते हुए नीति निर्माण में सामाजिक विज्ञान को जोड़ने पर ज़ोर दिया गया है। इन क्षेत्रों के पेशेवर लोग नई प्रौद्योगिकियों, आर्थिक मॉडलों और नियामक ढांचे की ताकत और सीमाओं का आकलन कर सकते हैं और उनमें निहित अनिश्चितताओं को भी संबोधित कर सकते हैं।यदि लोगों को लगता है कि विज्ञान का राजनीतिकरण हो चुका है और सरकारें बहुत अधिक हस्तक्षेप कर रही हैं, तो यह सिर्फ विज्ञान के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए भी समस्या है क्योंकि इससे लोगों के इस विश्वास में कमी आ सकती है कि सरकारें इन नवाचारों के लाभ उन तक पहुंचाएंगी और संभावित नुकसानों से बचाएंगी। ऐसे में वैज्ञानिकों को नवाचार के बारे में विश्वसनीय स्रोत बनने के अवसर का लाभ उठाना चाहिएअतः जिसे जो खाना है खाये उसमें मनाही नहीं है लेकिन गलत चीज का प्रचार भी ना करें नहीं तो रामदेव बाबा के प्रचार जैसा हाल हो जायेगा सही चीज बताने मे क्या हर्ज है मशरूम भी शाकाहारी नहीं है एक प्रकार का फंगस है जो एक मांस का ही अंश है लेकिन लोगों को खिलाने हेतु बाजार मे लाने मे मुनाफा के कारण नहीं बताया जाता जो गलत है क्योंकि खान पान का असर आपके खून में होता और विचार गलत हो जाता है जिससे अपराध बढ़ते हैं। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

विनाश का कारण बन सकती है उन्नत तकनीक....

लेबनान में हजारों पेजरों और उसके बाद वाकी टाकी रेडियो , लैपटॉप और और सोलर उपकरणों में में एक साथ हुए धमाकों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इन धमाकों में 30 से ज्यादा मौतें हुईं और 3000 से ज्यादा लोग गंभीर रुप से घायल हैं। इसे आतंकी संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ इजरायली सुरक्षा एजेंसी मोसाद का आपरेशन माना जा रहा है। तकनीक पर निर्भर व्यवस्थाएं चिंतित हैं। अगर यह संभव है तो जाने और कितना कुछ भी संभव होगा जिसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

नई तकनीकों के समंदर में गोते लगा रही युवा पीढ़ी तो शायद जानती भी न हो कि पेजर है क्या ? 80 के दशक में आया यह संचार माध्यम मोबाइल के आने से जल्द विदा हो गया। भारत में तो इसके आगमन प्रस्थान की भनक भी नहीं लगी। जीपीएस मोबाइल की तुलना में पेजर की बेहद बेसिक तकनीक इसकी ट्रैकिंग मुश्किल बनाती है। संभवतः इसीलिए इजरायली एजेंसियों द्वारा ट्रेस किए जाने से बचने के हिजबुल्ला ने इस पुरानी तकनीक पर निर्भर होना ठीक समझा। बहरहाल यह आश्वस्ति झूठी ही साबित हुई है।

धमाकों के पीछे पहली थ्योरी यह है कि इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल की फ्रीक्वेंसी हैकिंग से पेजर में लगी लिथियम बैटरी का टैंपरेचर बढ़ाकर ये धमाके किए गए। दूसरी थ्योरी के अनुसार हिजबुल्ला ने यह पेजर ताईवानी कंपनी गोल्ड अपोलो से खरीदे थे जिनकी बैटरी के साथ मोसाद ने विस्फोटक प्लांट कर दिए। एक संदेश ने विस्फोटक एक्टिवेट किया और हजारों पेजर एक साथ फट गए। हिजबुल्ला इस त्रासदी से उबर भी नहीं पाया था कि सैकड़ों वाकी-टाकी उपकरणों, लैपटॉप और यहां तक कि सोलर उपकरणों में भी ऐसे ही धमाके हुए। ताजातरीन खबरें तो यह हैं कि एक बेहद खुफिया और सोचे समझे तरीके से इजराइल ने एक फर्जी कंपनी के माध्यम से यह पेजर खुद बनाकर गोल्ड अपोलो कंपनी को सप्लाई किए जो अंततः हिजबुल्ला के सदस्यों तक पहुंचे। हमास के सुप्रीम कमांडर इस्माइल हानियां की इजरायल के दुश्मन नंबर एक ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हत्या भी तकनीक के दम पर ही संभव हुई थी।

इस घटना से उपजी चिंताएं भयावह हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) तकनीक ने साईबर पहुंच को उपयोग की लगभग हर वस्तु तक पहुंचा दिया है। इस तकनीक से बिजली, मोटर वाहन, सुरक्षा और निगरानी, स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि, स्मार्ट होम और स्मार्ट सिटी जैसे बुनियादी ढाँचे को उन्नत किया जा रहा है। उपभोक्ता भी चाहता है कि दैनिक उपयोग की हर वस्तु हर वक्त उसकी पहुंच हो। कंपनियां इस कमजोरी का फायदा उठाकर हर उपभोक्ता उपकरण में यह तकनीक अपना रही हैं। कंपनियों को छुपा फायदा यह भी है कि उन्हें मार्केटिंग के लिए महत्वपूर्ण डाटा फ्री मिल रहा है जिसका उपयोग वे न सिर्फ खुद करती हैं बल्कि उसे बेचकर पैसा भी कमाती हैं। अनुमान है कि 2025 तक वैश्विक स्तर पर लगभग 11.4 बिलियन उपभोक्ता और 13.3 बिलियन इंटरप्राइज़ेज़ आई.ओ.टी. डिवाइस से युक्त होंगे और साईबर हमलों की पहुंच में होंगे। इनमें मोबाइल, कार , स्मार्ट वॉच, हैल्थ मानीटर, फ्रिज, टीवी , एयर कंडीशनर समेत पेसमेकर जैसे बैटरी से चलने और शरीर के अंदर लगाए जाने वाले मेडिकल उपकरण भी शामिल हैं। पेजर धमाके बताते हैं कि ऐसे किसी भी उपकरण को बम में तब्दील करना संभव है। अधिसंख्य लोग मोबाईल से निकलने वाले घातक रेडिएशन के खतरे से अपरिचित होंगे। विभिन्न देशों में इस रेडिएशन लिए अलग-अलग सीमाएं तय हैं। क्या तकनीक के बल पर इस रेडिएशन को जानलेवा घातक स्तर तक बढ़ाया जा सकता है ? अगर हां तो यह खतरे की एक और घंटी है।

यूक्रेन युद्ध का प्रारंभिक अनुमान था कि ताकत के दम पर रूस इसे कुछ ही दिनों में खत्म कर देगा। सारे अनुमान गलत साबित हुए और लगभग दो साल का लंबा समय बीतने के बावजूद यह अब भी जारी है। पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए उन्नत तकनीकी उपकरणों के दम पर यूक्रेन न सिर्फ युद्ध में बना हुआ है बल्कि उसने रुस जैसे ताकतवर देश को गहरा नुकसान भी पहुंचाया है। इजरायल की हमास तथा हिजबुल्ला जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ चलने वाली लंबी लड़ाई भी तकनीक के प्रयोग से निर्णायक स्थिति में पहुंचती दिख रही है। जाहिर है, भविष्य के युद्ध सेनाओं और हथियारों नहीं बल्कि वातानुकूलित कक्षों में तकनीक के दम पर लड़े जाएंगे। साईबर हमलों की ऐसी श्रंखला युद्धों और आतंकवादी गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रहेगी। ऐसे एक हमले से किसी भी देश की पूरी आर्थिक और जनोपयोगी व्यवस्था छिन्न-भिन्न कर उसे पंगु बनाया जा सकता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि वैश्विक सुरक्षा की भी सबसे महत्वपूर्ण आधुनिक चुनौतियों में से एक है। राज्य विशेष या आतंकवादी समूह के हाथ में पहुंचकर ऐसी तकनीक कितनी विध्वंसक हो सकती है, सोच कर ही सिहरन होती है। बुनियादी ढांचे या सैन्य रसद नेटवर्क को नष्ट करने के लिए किया गया साईबर हमला कभी भी अंतरराष्ट्रीय संकट साबित हो सकता है। परमाणु अप्रसार संधि की तर्ज पर ऐसी अंतरराष्ट्रीय सहमति जरूरी है जो इसका नियमन करे। प्रयास हो तो रहे हैं मगर प्रगति धीमी है। अगर लेबनान में हुए धमाकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस विषय पर और शीघ्रता से सोचने पर मजबूर किया तो यह त्रासदी से सबक सीखने की अच्छी बानगी होगी। (लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

महिला सुरक्षा-दर्पण झूठ न बोले

महिला सुरक्षा व संरक्षण के जितने दावे हमारे देश में किये जाते हैं उतने किसी देश में नहीं किये जाते। इसी तरह जितना धार्मिक होने का दिखावा हमारे देश में किया जाता है,धर्म व अध्यात्म की जितनी चर्चा हमारे देश में की जाती है शायद अन्यत्र कहीं नहीं होती। परन्तु इसके विपरीत पूरे देश में उतना ही अधिक अधर्म व्याप्त नज़र आता है। कोई क्षेत्र कोई संस्था कोई विभाग ऐसा नहीं जहाँ नारी का अपमान न होता हो,जहाँ झूठ और भ्रष्टाचार सिर चढ़कर न बोलता हो। जहाँ स्वार्थ और मुफ़्तख़ोरी का बोल बाला न हो। परन्तु इस वास्तविकता के बावजूद सुबह से शाम तक पूरे देश में बड़े बड़े पेशेवर प्रवचन कर्ताओं के सत्संग आयोजित होते रहते हैं। देश के लाखों मंदिरों मस्जिदों व अन्य सभी धर्मस्थलों से भजन कीर्तन आरती अज़ान भजन शब्द प्रेयर आदि की आवाज़ें सुनाई देती हैं। विभिन्न धर्मों व समुदायों के धार्मिक जुलूस सड़कों पर उतर कर अपने धार्मिक होने का प्रदर्शन करते रहते हैं। कन्याओं की पूजा भी शायद हमारे देश के सिवा और कहीं नहीं की जाती। देवियों की परिकल्पना भी शायद सिर्फ़ हमारे ही देश में की गयी है।

परन्तु हक़ीक़त तो बिल्कुल इससे विपरीत है। नारी शोषण तथा नारी अत्याचार की जितनी घटनाएं बल्कि जितनी घिनौनी और वीभत्स घटनायें हमारे देश में होती हैं उतनी कहीं नहीं होतीं। और इससे भी शर्मनाक बात यह कि बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता का संरक्षण मिलते हुये भी देखा जा सकता है। पिछले दिनों तो ऐसी अनेक घटनाएं देश में घटीं जिन्हें सुनकर यह सोचने के लिये मजबूर होना पड़ा कि जब संभ्रांत व अभिजात वर्ग की महिलाओं का यह हाल है,वे तक सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण परिवार की या ग़रीब घरों की कन्याओं की सुरक्षा की बात कैसे सोची जा सकती है ? कोलकाता में गत अगस्त माह में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ उसी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहले बलात्कार किया गया उस के बाद उसकी हत्या कर दी गयी। चूँकि मामला बंगाल राज्य का था इसलिये इस मामले में विरोध प्रदर्शन का स्तर काफ़ी ऊँचा रहा। इतना ऊँचा कि लंबे समय तक राज्य के डॉक्टर्स हड़ताल पर रहे। ख़बरों के मुताबिक़ डॉक्टरों की इसी हड़ताल के दौरान राज्य भर में 23 मरीज़ों की जान भी चली गयी।

इसी प्रकार 15 सितंबर को एक सैन्य अधिकारी की मंगेतर के साथ ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भरतपुर पुलिस स्टेशन में पहले बदसलूकी की उसका यौन-उत्पीड़न किया, फिर आर्मी ऑफ़िसर को लॉकअप में बंद कर दिया। हद तो यह है कि पीड़िता के अनुसार थाने में मौजूद पुलिस अधिकारी ने पहले उसके हाथ-पैर बांधे फिर उसके कपड़े उतारे उसके बाद एक पुरुष पुलिस अधिकारी ने उनके अंडरगारमेंट उतारे, फिर छाती पर लातें मारीं। उसके बाद जब थाने में इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पहुंचा तो उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर उसे अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया और अश्लील बातें कीं। हालांकि इस मामले के हाई प्रोफ़ाइल हो जाने के बाद 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड होने की ख़बर ज़रूर है परन्तु इस सवाल से कैसे मुंह मोड़ा जा सकता है कि एक शिक्षित महिला अपने सैन्य अधिकारी मंगेतर के साथ जब सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण महिलाओं की इज़्ज़त आबरू की कौन सी गारंटी ? ख़बर यह भी है कि इस घटना के बाद सेना में भी रोष पैदा हो गया था।

याद कीजिये गत वर्ष 30 अगस्त को एक बावर्दी महिला कांस्टेबल ख़ून से लथपथ हालत में अयोध्या स्टेशन के क़रीब सरयू एक्सप्रेस में बर्थ के नीचे छुपी मिली थी। यानी चलती ट्रेन में दुस्साहसी अपराधियों ने उसकी वर्दी की परवाह किये बिना उसपर हमला बोल दिया था। बाद में पुलिस द्वारा दावा किया गया कि घटना के 20 दिन बाद ही आरोपी को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। इसी तरह विभिन्न सरकारी कार्यालयों से ख़बरें आती हैं कि कार्यालय के वरिष्ठ या दबंग क़िस्म के लोग अपनी अधीनस्थ महिला कर्मियों को अपनी हवस का शिकार बनाते हैं। उत्तर प्रदेश के पी डब्ल्यू डी विभाग का ऐसा ही एक मामला तो इस वक़्त काफ़ी चर्चित हो गया है जिसमें सह कर्मचारियों द्वारा एक महिला को डरा धमकाकर कई बार बलात्कार किया गया। वह गर्भवती हो गयी और कोविड के दौरान उसकी मौत भी हो गयी।

धर्मस्थान व धर्मगुरु तो नारी शोषण बलात्कार को लेकर तो कुछ ज़्यादा ही चर्चा में रहते हैं। कहीं मंदिर में बलात्कार की ख़बरें आती हैं। कहीं कोई पुजारी पकड़ा जाता है। हद तो यह है कि पिछले दिनों अयोध्या के नवनिर्मित राम जन्म भूमि मंदिर में वहां की एक सफ़ाई कर्मी महिला के साथ वहां कार्यरत लोगों द्वारा बलात्कार किये जाने की ख़बर आ गयी। उससे अधिक पवित्र,सुरक्षित व सम्मानित स्थान और किसे कहा जाये ? कुछ समय पूर्व ग़ाज़ियाबाद ज़िले में पड़ने वाली गंग नहर के किनारे स्थित एक मंदिर में वहां के महंत द्वारा महिलाओं के कपड़े बदलने वाले हिस्से में एक गुप्त कैमरा लगाया गया था। इस कैमरे को महंत अपने मोबाईल फ़ोन में देखता रहता था। और कई नग्न महिलाओं की क्लिप को बार बार देखा करता था। पता चलने पर उसकी शिकायत हुई वह गिरफ़्तार हुआ तथा तमाम आपत्तिजनक वीडिओ क्लिप उसके मोबाइल से बरामद की गयी।

इसी तरह मध्य प्रदेश के इंदौर में तेजाजी नगर के एक मंदिर में एक पुजारी के घिनौने कृत्य का पर्दाफ़ाश हुआ। यहाँ एक 35 वर्षीय पुजारी ने एक 21 साल की युवती के साथ मंदिर में बने कमरे में ही दुष्कर्म कर डाला। इतना ही नहीं बल्कि पुजारी ने दुष्कर्म करने के बाद न केवल युवती को धमकाया बल्कि वह युवती के पिता पर इस बात के लिये दबाव भी बनाया करता था कि वह अपनी बेटी को रोज़ मंदिर भेजा करे। देश के किसी न किसी कोने से आए दिन ऐसी कई घटनाएं रोज़ होती रहती हैं। यहाँ तक कि मासूम किशोरियों को भी भेड़िये मानसिकता के लोग नहीं बख़्शते। दरअसल जहाँ लोगों की विकृत मानसिकता इन घटनाओं के लिये ज़िम्मेदार है वहीं बलात्कारियों को मिलने वाला सत्ता का प्रश्रय व सहयोग भी इसके लिये कम ज़िम्मेदार नहीं। कहीं आजीवन कारावास काट रहे किसी हत्यारे बलात्कारी को अपने राजनैतिक लाभ के लिये चार साल में रिकार्ड 15 बार पेरोल दे दी जाती है तो कहीं सामूहिक बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता द्वारा चरित्र प्रमाण पत्र देकर जेल से रिहा करवा दिया जाता है। महिला सुरक्षा को लेकर सरकार जो चाहे दावे करे या अपनी पीठ थपथपाये परन्तु सच तो यही है कि दर्पण कभी भी झूठ नहीं बोलता। (लेखक – निर्मल र

आने वाले साल में कम होगी लीथियम आयन बैटरी की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं को अगले 12 माह के दौरान लीथियम आयन बैटरी की कीमत में 5 से 10 प्रतिशत की गिरावट होने की उम्मीद है। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैटरियां मुख्य तौर पर चीन से आती हैं और चीनी बैटरियों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए दंडात्मक टैरिफ के बाद इन बैटरियों के सस्ते होने की उम्मीद है। कुछ दिन पहले ही बाइडेन प्रशासन द्वारा तय की गई टैरिफ से इन बैटरियों के चीनी निर्यात पर गंभीर असर पड़ सकता है। अपने घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा से बचाने ने अमेरिका ने इस साल से इलेक्ट्रिक वाहन के लिए जरूरी लीथियम आयन बैटरी पर आयात शुल्क 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया है।

चीन की अतिरिक्त बैटरी उत्पादन क्षमता से प्रेरित पिछली भारी गिरावट के कारण वाहन विनिर्माताओं की लागत में गिरावट आने की संभावना है। भारतीय विनिर्माताओं के लिए निकल मैंगनीज कोबाल्ट (एनएमसी) बैटरियों की कीमत सितंबर में कम होकर 90 डॉलर प्रति किलोवॉट हो गई है, जो छह माह पहले 100 डॉलर थी यानी इसमें 10 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा, लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियां भी पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई हैं। भारत के लिए एलएफपी सेल की कीमत सितंबर में घटकर 65 से 70 डॉलर प्रति किलोवॉट हो गईं, जो छह महीने पहले 75 डॉलर थी। एलएफपी और सामान्यत: उपयोग की जाने वाली एनएमसी बैटरियों की कीमत में इस अंतर के बाद कई कंपनियों को सस्ते विकल्पों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उदाहरण के लिए एथर एनर्जी ने अपने आईपीओ मसौदे में बताया है कि वह अपने कुछ इलेक्ट्रिक स्कूटरों में एलएफपी बैटरी के उपयोग पर विचार कर रही है और इसका परीक्षण पहले से ही चल रहा है। टाटा मोटर्स और एमजी मोटर्स जैसी कार विनिर्माता कंपनियां पहले से ही अपने कुछ मॉडलों में एलएफपी बैटरी का उपयोग कर रहे हैं।

ईवी कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने कहा, फिलहाल, सभी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां ज्यादातर चीन से बैटरी आयात करती हैं। ऐसी चिंताएं हैं कि विभिन्न उत्पादों पर अमेरिका द्वारा तय किए गए टैरिफ के बाद चीन भारत में अपना माल भेज सकता है, लेकिन लीथियम आयन बैटरी के साथ ऐसी चिंता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत में अभी तक इसका विनिर्माण कोई नहीं कर रहा है और किसी भी देशी उत्पादन को बढ़ने में कम से कम साल 2026 तक का वक्त लगेगा। हमें इस मौके का फायदा लेना चाहिए।' ओला इलेक्ट्रिक अगले साल से लीथियम आयन बैटरी बनाना शुरू कर सकती है मगर शुरू में कंपनी सिर्फ अपने वाहनों के लिए लीथियम बैटरी तैयार करेगी। कंपनी की फैक्टरी नवीनतम 4860 बैटरी टेक्नोलॉजी का उपयोग करेगी, जो फिलहाल उपयोग में आने वाली 2170 बैटरियों के मुकाबले अधिक रेंज प्रदान करती है। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के अधिकारियों के मुताबिक, आने वाले महीनों में एनएमसी बैटरियों की कीमतें और कम होकर 80 डॉलर प्रति किलोवॉट हो सकती हैं। नतीजतन, 3 किलोवॉट वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर पर करीब 5,400 रुपये की बचत होगी। एनएमसी से एलएफपी बैटरियों का रुख करने से इसमें और अधिक 5,000 रुपये की बचत हो सकती है।

अंबानी अब भी दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें और एशिया में पहले स्थान पर

-निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 4,000 अंक से अधिक नीचे गिर गया। इस गिरावट के कारण निवेशकों को 16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सेसेंक्स में शुक्रवार को हुई गिरावट से रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 1.62 अरब डॉलर (लगभग 13,612 करोड़ रुपये) की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उनकी कुल संपत्ति घटकर 105 अरब डॉलर हो गई। इसके बावजूद, अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें और एशिया में पहले स्थान पर बने हुए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 8.93 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली, जिससे वहां के अरबपतियों की संपत्ति में भी वृद्धि हुई। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की संपत्ति में सबसे अधिक 6.73 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी कुल संपत्ति 263 अरब डॉलर हो गई। मस्क पहले स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद मार्क जकरबर्ग 211 अरब डॉलर और जेफ बेजोस 209 अरब डॉलर के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

अन्य प्रमुख अरबपतियों में बर्नार्ड अरनॉल्ट (193 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (183 अरब डॉलर), बिल गेट्स (161 अरब डॉलर), लैरी पेज (151 अरब डॉलर), वॉरेन बफे (146 अरब डॉलर), स्टीव बाल्मर (145 अरब डॉलर), और सर्गेई ब्रिन (142 अरब डॉलर) शामिल हैं। दूसरी ओर, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी 100 अरब डॉलर के क्लब से बाहर हो गए हैं। शुक्रवार को उनकी संपत्ति में 94.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई, जिससे वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें स्थान पर खिसक गए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 99.5 अरब डॉलर है। हालांकि, इस साल उनकी संपत्ति में 15.2 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोत्तरी हो रही है। अब इसका रेट 74.45 रुपये प्रति बैरल हो गया है। पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी दिख रही है। भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमतों का संशोधन करती हैं।

शनिवार को देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें (प्रति लीटर) इस प्रकार है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 और डीजल 87.62, मुंबई में पेट्रोल 104.21 और डीजल 92.15, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 91.76, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 और डीजल 92.34, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.84 और डीजल 88.95, क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव हो रहे हैं।

सितंबर में 10 माह के निचले स्तर पर पीएमआई इंडेक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। सितंबर माह में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मजबूत रही, लेकिन मांग में कमी के चलते यह 10 माह के निचले स्तर पर पहुंच गई। इसकी जानकारी एक सर्वे के आंकड़ों से मिली। सर्वे द्वारा संकलित भारत का सर्विसेज पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) सितंबर में 57.7 पर पहुंच गया, जो अगस्त में दर्ज 60.9 के पांच महीने के उच्च स्तर से कम है। पहले अनुमान था कि सितंबर के लिए सर्विस पीएमआई 58.9 होगा, लेकिन शुक्रवार के आंकड़े उम्मीद से कम रहे।

भारतीय अर्थशास्त्रियों के अनुसार, 2024 में पहली बार सर्विस सेक्टर का इंडेक्स 60 के नीचे गिरा है, फिर भी 57.7 के स्तर पर यह लंबे औसत से काफी ऊपर है। पिछले तीन सालों से यह इंडेक्स 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है, जो विस्तार और संकुचन के बीच की सीमा दर्शाता है।

अगस्त के मुकाबले भर्ती में थोड़ी तेजी आई है और नौकरी पैदा करने का सिलसिला दो साल से अधिक समय से जारी है। सितंबर में लागत मुद्रास्फीति बढ़ी, जिसकी वजह बिजली, खाद्य और अन्य सामग्रियों की कीमतों में इजाफा है। कंपनियों ने ग्राहकों पर अतिरिक्त लागत का भार डालने की गति में कमी लाई है।

विश्लेषकों के अनुसार, सेवाओं से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ने की संभावना है, क्योंकि जब लागत में वृद्धि होने पर कीमतें धीरे-धीरे बढ़ाई गईं। भारत की महंगाई दर जुलाई और अगस्त में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के मध्य-कालिक लक्ष्य से नीचे रही है।

भारतीय विशेषज्ञों को लाकर कार्यबल को सुदृढ़ करेगा रूस

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन के साथ वार में उलझा रूस अब भारतीय विशेषज्ञों को अपने देश में लाकर अपने कार्यबल को सुदृढ़ करने जा रहा है। इस पहल की घोषणा नेशनल एसोसिएशन ऑफ बिल्डर्स (नोस्ट्रॉय) ने की। इसके तहत भारत से विशेषज्ञों को रूसी निर्माण स्थलों पर काम करने के लिए आकर्षित किया जाएगा।

नोस्ट्रॉय के अध्यक्ष एंटोन ग्लुश्कोव ने येकातेरिनबर्ग में एक अंतरराष्ट्रीय निर्माण फोरम के दौरान बताया कि भारत कुशल श्रम बाजार में विशाल संभावनाएं प्रदान करता है, और रूस भारत के साथ साझेदारी विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण उद्योग में श्रम शक्ति की गुणवत्ता और विशेषज्ञता को बढ़ाना है। यह योजना रूसी अधिकारियों द्वारा विदेशी श्रमिकों, विशेष रूप से भारत और उज्बेकिस्तान से आने वाले श्रमिकों की योग्यता को प्रमाणित करने पर आधारित है। नोस्ट्रॉय इन श्रमिकों के आवास, परिवहन और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में सहायता करेगा।

इस पहल का उद्देश्य रूस में कार्यरत अयोग्य श्रमिकों की संख्या को घटाकर कुल कार्यबल का 20 प्रतिशत करना है, जो वर्तमान में 80 प्रतिशत तक है। रूसी उप प्रधान मंत्री मारत खुसनुल्लिन के अनुसार, यह पहल देश में चल रही श्रम की कमी को दूर करने के लिए की जा रही है। रूसी निर्माण स्थलों पर 200,000 श्रमिकों की कमी है, जिसे यह परियोजना पूरा करने में मदद करेगी।

सेबी प्रमुख को लोक लेखा समिति ने 24को किया तलब

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रमुख नियामक प्राधिकरणों के कामकाज की समीक्षा के लिए संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) ने सेबी प्रमुख को तलब किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुखों को 24 अक्टूबर को समिति के समक्ष पेश होने के लिए बुलाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिकमामलोंकेविभागऔर संचार मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को भी बुलाया गया है। सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी के प्रतिनिधि भी समितिकेसमक्ष अपनी संस्थाओं के कामकाज पर रिपोर्ट दे सकते हैं। यह समीक्षा उस समय हो रही है जब अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बाद नियामक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 बिलियन डॉलर पार

- विदेशी मुद्रा भंडार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गया है। पहली बार विदेश मुद्रा भंडार इस ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा है। बीते महीने 27 सितंबर 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 12.588 बिलियन डॉलर के उछाल के साथ 704.885 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले हफ्ते 692.29 बिलियन डॉलर था।

इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) में भारी वृद्धि है, जिससे फॉरेन करेंसी रिजर्व में इजाफा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (ैंद्ध) द्वारा 4 अक्टूबर 2024 को जारी डेटा के अनुसार, फॉरेन करेंसी एसेट्स में 10.46 बिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह 616.154 बिलियन डॉलर हो गया। इसके अलावा, सोने के दामों में उछाल से आरबीआई के गोल्ड रिजर्व की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी हुई, जो 2.184 बिलियन डॉलर की बढ़त के साथ 657.96 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एसडीआर (स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स) में भी 308 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखी गई, जिससे इसका स्तर 18.54 बिलियन डॉलर हो गया है। हालांकि, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड में जमा रिजर्व में 71 मिलियन डॉलर की गिरावट के साथ यह 4.38 बिलियन डॉलर पर आ गया।

बैंक ऑफ अमेरिका ने अनुमान जताया है कि मार्च 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 745 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका के एनालिस्ट राहुल बजोरिया और अभय गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर सहज दिख रहा है, क्योंकि यह आकस्मिक बाहरी जोखिमों के खिलाफ एक मजबूत बफर के रूप में कार्य कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का भंडार अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले मजबूत है, हालांकि यह अति-प्रचुर नहीं है।

नेतन्याहू टॉयलेट गए, कुछ देर बाद बाहर आए...फिर ब्रिटेन में मचा हड़कंप

जेरुसलेम(ईएमएस)। इजरायल पिछले एक साल से हमास के साथ युद्ध में व्यस्त है और फिलिस्तीन में हमास, लेबनान में हिज्बुल्ला, और ईरान के खिलाफ कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। हालांकि, इस छोटे देश के लिए इतनी लंबी अवधि तक युद्ध में बने रहना आसान नहीं है, लेकिन अमेरिका सहित पश्चिमी देश इजरायल के साथ खड़े हैं।हाल ही में, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जासूसी का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी किताब अनलीशेड में 2017 के एक घटनाक्रम का उल्लेख किया है, जब नेतन्याहू ने ब्रिटेन की यात्रा की थी। जॉनसन ने कहा कि नेतन्याहू के वॉशरूम जाने के बाद उनके कार्यालय में एक सुनने वाला उपकरण, जिसे थंडरबॉक्स कहा जाता है, पाया गया। यह नेतन्याहू का लंदन में पहला दौरा था और उन्होंने जॉनसन से बाथरूम का उपयोग करने की अनुमति मांगी थी। जॉनसन ने यह भी उल्लेख किया कि यह एक संयोग हो सकता है।इजरायल पर पहले भी अपने मित्र देशों की जासूसी के आरोप लग चुके हैं। 2019 में, अमेरिकी सरकार ने व्हाइट हाउस और वाशिंगटन के आसपास अन्य संवेदनशील स्थानों पर पाए गए सेलफोन सर्विलांस डिवाइसों के पीछे इजरायल का हाथ होने की संभावना जताई थी, जिसे नेतन्याहू ने खंडन किया था। फ्रांसीसी समाचार पत्र ले मोंडे ने भी बताया था कि ब्रिटेन ने इजरायल की सरकार और उनके विदेश मिशनों पर भी नजर रखी है, और यह जानकारी अमेरिकी खुफिया विभाग से लीक हुई थी।

इजराइल की अब नॉर्थ लेबनान में जबर्दस्त एयर स्ट्राइक,हिजबुल्लाह के 2,000 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को किया तबाह

तेलअवीव(ईएमएस)। इजराइली रक्षा बलों ने अब उत्तरी लेबनान में भी हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है। आईडीएफ के विमानों ने उत्तरी लेबनान के बेद्दावी फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर के पास एक इमारत पर हवाई हमला किया। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जहां पहले से ही संघर्ष का माहौल बना हुआ है।इजरायली रक्षा बल ने दावा किया है कि अब तक दक्षिणी लेबनान में चल रहे जमीनी अभियानों के दौरान 400 से अधिक हिजबुल्लाह ऑपरेटिवों को मार गिराया गया है। इन ऑपरेटिवों में कई क्षेत्रीय कमांडर भी शामिल हैं। इसके अलावा हिजबुल्लाह के 2,000 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया गया है।

इजरायली कार्रवाई से लेबनान की राजधानी में लोग दहशत में हैं और बड़े पैमाने पर सीरिया की ओर पलायन कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक अब तक करीब 20 लाख लेबनानी सीरिया में शरण ले चुके हैं। इजराइली रक्षा बलों ने अब उत्तरी लेबनान में भी हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है। आईडीएफ के विमानों ने उत्तरी लेबनान के बेद्दावी फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर के पास एक इमारत पर हवाई हमला किया। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जहां पहले से ही संघर्ष का माहौल बना हुआ है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया है कि इजराइल पिछले 4 दिनों में हिज्बुल्लाह के 2000 से अधिक सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है और लगभग 250 हिज़्बुल्लाह लड़ाकों को खत्म कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, यह हमला उत्तरी लेबनान में इजराइल के खिलाफ किए जा रहे हमलों के जवाब में किया गया है। इसके साथ ही इजराइली तोपखाने ने दक्षिणी लेबनान के खियाम शहर और कफर किला के बाहरी इलाकों में भी गोलाबारी की। इन हमलों में कई मैदानी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमले इजराइल और लेबनान के बीच जारी तनाव को और गहरा सकते हैं, क्योंकि पहले से ही दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों के कारण हालात गंभीर बने हुए हैं। दक्षिणी लेबनान के कई हिस्सों में पहले से ही आईडीएफ की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं, और अब उत्तरी लेबनान को भी निशाना बनाया जा रहा है।

यूक्लियर ठिकानों पर हमले करने से पहले सोचना

इजराइल ने बाइडेन को ये गारंटी देने से इनकार कर दिया कि वह ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं करेगा। दरअसल, ईरान ने 1 अक्टूबर को हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए इजराइल पर हमला किया था। इजराइल ने कहा था कि वह इसका बदला जरूर लेगा। बाइडेन ने कहा कि इजराइल ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह ईरान के हमले का जवाब कैसे देगा। उन्होंने इजराइल को ईरान के एटमी ठिकाने और तेल भंडारों पर हमला न करने की सलाह दी है।

दक्षिणी लेबनान से नहीं हटेगी यूएन की सेना

लेबनान में मौजूद यूनाइटेड नेशन की पीस फोर्स ने कहा कि वे तैनात जगह को छोड़कर नहीं जाएंगे। इजराइल ने 30 सितंबर को उन्हें दक्षिणी लेबनान को छोड़कर दूसरी जगह जाने की अपील की थी। इजराइल और लेबनान के बीच शांति कायम करने के लिए इसका गठन किया गया था। भारत के 900 जवान लेबनान में तैनात हैं।

ट्रंप ने इजरायल को दी सलाह कहा- पहले ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करो

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इजरायल को सलाह देते हुए कहा कि पहले ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करें इसके बाद दूसरी चिंता करें। पूर्व राष्ट्रपति ने उत्तरी कैरोलिना में एक रैली को संबोधित करते हुए इस सप्ताह राष्ट्रपति जो बाइडेन से पूछे गए एक सवाल का जिक्र किया, जिसमें इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाए जाने की संभावना के बारे में पूछा गया था। बता दें कि इससे पहले बाइडेन से पूछा गया कि क्या वह ईरानी परमाणु स्थलों पर हमले का समर्थन करेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति ने संवाददाताओं से कहा ''मेरे पास इसका जवाब नहीं है।''बाइडेन ने ईरान की परमाणु शक्ति के खिलाफ इस तरह के हमलों का विरोध किया, जो कि इजरायल की ओर लगभग 200 ईरानी मिसाइलों के दागे जाने के जवाब में था। उन्होंने कहा, हम इजरायलियों के साथ चर्चा करेंगे कि वे क्या करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जी 7 सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि इजरायल को जवाब देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें आनुपातिक रूप से जवाब देना चाहिए।

ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने उनसे पूछा कि आप ईरान के बारे में क्या सोचते हैं? क्या आप ईरान पर हमला करेंगे? उन्होंने कहा, 'जब तक वे परमाणु हथियारों पर हमला नहीं करते। यही वह चीज है जिसे आप खत्म करना चाहते हैं, है न?''ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, ''मुझे लगता है कि वह गलत हैं। क्या आपको यही नहीं करना चाहिए? मेरा मतलब है कि हमारे लिए सबसे बड़ा जोखिम परमाणु हथियार है।'' ट्रंप ने कहा, जब उन्होंने उनसे यह सवाल पूछा, तो जवाब यह होना चाहिए था कि पहले परमाणु बम गिराओ और बाकी की चिंता बाद में करो। अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो वे ऐसा करने जा रहे हैं। लेकिन हम पता लगा लेंगे कि उनकी क्या योजना है।डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ राष्ट्रपति चुनाव की लड़ाई में उलझे ट्रंप ने हाल ही में मध्य पूर्व में तनाव में वृद्धि के बारे में बहुत कम बात की है। उन्होंने इस सप्ताह एक तीखा बयान जारी करते हुए इस संकट के लिए बाइडेन और हैरिस को जिम्मेदार ठहराया।

अमेरिका की बातनहीं मान रहा इजराइल,दुनियाभर में होरही आलोचना

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से पूरी दुनिया के देशों के माथे पर चिंता की लकीर खिंच गई है। इस तनाव का असर तेल और खाद की कीमतों से लेकर, समुद्री व्यापार और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर भी पड़ सकता है। इस संघर्ष की शुरुआत पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के हमले से हुई थी। इस कार्रवाई में अब तक 40 हजार से ज्यादा फिलीस्तीनी आम नागरिक मारे जा चुके हैं और करीब 20 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अमेरिका समेत इजराइल के सभी सहयोगी चाहते हैं कि यह संघर्ष जल्द से जल्द खत्म हो।

कई लोगों का कहना है कि नेतन्याहू अमेरिका की युद्धविराम की सिफारिशों को इसलिए नजरअंदाज कर रहे हैं क्योंकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति की राजनीतिक मजबूरियों को अच्छी तरह से समझते हैं। रूस और चीन जैसे अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वहीं भारत खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित है। अमेरिका ईरान पर और प्रतिबंध लगाता है तो भारत के लिए कई तरह की नीतिगत चुनौतियां भी खड़ी हो सकती हैं। दुनिया भर के कई देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है और उसकी कार्रवाइयों की आलोचना हो रही है। हाल ही में इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को देश में आने से भी रोक दिया। हालांकि कई यूरोपीय देशों, खासकर अमेरिका में इजराइल को समर्थन मिल रहा है लेकिन अमेरिका में रहने वाले अरब और मुस्लिम आबादी के एक बड़े हिस्से और डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ नेता इसका विरोध कर रहे हैं।

इस लड़ाई का असर यह हो रहा है कि गाजा के लोगों को खाने-पीने की चीजों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और यहां की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। अमेरिका, मिस्र और कतर जैसे देशों ने युद्धविराम के लिए बहुत कोशिश की है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है। इसकी वजह यह है कि इजराइल हमास को पूरी तरह खत्म करना चाहता है, जबकि हमास स्थायी युद्धविराम की मांग पर अड़ा है।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने इजराइल पर कार्रवाई को जायज बताया

तेहरान (ईएमएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने इजरायल के खिलाफ ईरान की सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह जायज बताया है। खामेनेई का यह बयान ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा इजरायल पर किए गए हाल के मिसाइल हमले के संदर्भ में था।

खामेनेई ने कहा कि ईरानी सेना की यह कार्रवाई इजरायल के अपराधों के प्रति दी गई सबसे छोटी सजा है, जो इजरायल और अमेरिका ने पश्चिम एशिया में किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी जिम्मेदारियों को मजबूती, बहादुरी और दृढ़ता के साथ निभाएगा। खामेनेई न कहा, हम न हिचकिचाएंगे, न लापरवाही और न ही जल्दबाजी करने वाले है। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी उचित और तर्कसंगत होगा, तब सही समय पर किया जाएगा।

इसके पहले आईआरजीसी ने इजरायल के रणनीतिक केंद्रों पर लगभग 180 मिसाइलें दागी थीं। ईरान ने इन हमलों को इजरायल द्वारा हमास के प्रमुख इस्माइल हानियेह, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह और आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर अब्बास नीलफोरुशान की हत्याओं के जवाब में किया गया। इसके साथ ही, इजरायल की आक्रामकता और अमेरिका के समर्थन से लेबनानियों और फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ते दुष्ट कार्यों का बदला लेने का भी दावा किया गया।

ट्रिस्टन स्टब्स ने शतक जड़कर टीम को दिलाई शानदार जीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने अपने वनडे करियर का पहला शतक जड़कर टीम को शानदार जीत दिलाई। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हुए मैच में स्टब्स ने 81गेंदोंमेंनाबाद112रन बनाकर प्रोटियाज को 50 ओवर में 343/4 के स्कोर तक पहुंचाया। आयरलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 162 रन बना सकी और मैच 174 रनों से हार गई। स्टब्स ने मैच के दौरान आक्रामक खेल दिखाया, जिसमें उन्होंने 8चौके और 3 छक्के लगाए, और उनकास्ट्राइकरेट 138.27 रहा। उन्होंने वियान मुल्डर के साथ मिलकर 92 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इस शतक के साथ, स्टब्स के अब 6वनडे मैचों में 57 की औसत से 228 रन हो चुके हैं, जिसमें इस श्रृंखला में 2 मैचों में 191 रन शामिल हैं। पिछले मैच में भी उन्होंने अर्धशतक बनाया था। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी अच्छी रही। रिकल्टन ने 39 गेंदों पर40रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा फिर से रिटायर्ड हर्ट हो गए। बावुमा ने 39 गेंदों पर 35 रन बनाए। रासी वैन डेरडुसेन और काइल वेरिन ने पारी को आगे बढ़ाया, जहां रासी ने 39 गेंदों पर 35 रन बनाये। वेरिन ने 64 गेंदों पर 67 रनों की पारी खेली, जिससे टीम का स्कोर 343 तक पहुंचा। वियान मुल्डर ने भी 34गेंदों पर43 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। आयरलैंड की शुरुआत खराब रही।

कप्तान पॉल स्टर्लिंग केवल 5 रन बना सके, जबकि एंड्रयू ने 1 रन और कर्टिस ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाये। विकेटकीपर स्टेफन पहले ही गेंद पर पगबाधा होकर आउट हो गए। इसके बाद जॉर्ज ने 10 गेंदों पर 11 और मार्क एडेयर ने 30 गेंदों पर 21 रन बनाये। पुछल्ले बल्लेबाज गेविन ने 25 गेंदों पर 23 रन बनाये, लेकिन टीम अंतत: 169 रन तक भी नहीं पहुंच पाई।

वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर जैदा ने फेंकी गेंद, शॉट सीधे आकर जबड़े पर लगा

एक गेंदबाज की कमी से खेली टीम, साउथ अफ्रीका ने आसानी से जीता मैच

दुबई,(ईएमएस)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को साउथ अफ्रीका के खिलाफ झटका लगा उसके ऑलराउंडर खिलाड़ी जैदा जेम्स मैच के दौरान वह घायल हो गईं। जैदा के चेहरे पर गंभीर चोट लगी, जिससे वह मैदान के बाहर चली गईं और वेस्टइंडीज को उनके बिना ही खेलना पड़ा। यह घटना वेस्टइंडीज की गेंदबाजी के दौरान हुई, जब साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने एक जोरदार शॉट मारा, जो सीधे जैदा के जबड़े पर जाकर लगा।

यह घटना मैच के दूसरे ओवर में घटी, जब बाएं हाथ की स्पिनर जैदा जेम्स ने साउथ अफ्रीका की कप्तान को एक टॉस-अप डिलीवरी दी। लॉरा वोल्वार्ड्ट ने ट्रैक पर आगे बढ़कर जोरदार शॉट मारा, लेकिन यह शॉट सीधे जैदा की ओर गया। जैदा शॉट को रोकने में नाकाम रहे और गेंद उनके हाथों से छूटकर सीधे जबड़े पर लगी। इस चोट के बाद जैदा तुरंत दर्द से कराहती दिखीं और मैदान पर गिर गईं।

मैदान पर मौजूद फिजियो ने तुरंत जैदा की जांच की और उनका बायां जबड़ा सूज गया था। चोट की गंभीरता को देखते हुए फिजियो ने उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाने का फैसला किया। जैदा को मैच के लिए अनफिट घोषित किया गया है, जिसके बाद वह खेल में वापस नहीं लौट पाईं। इस हादसे के बाद वेस्टइंडीज टीम को एक गेंदबाज की कमी के साथ खेलना पड़ा, जिससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 118 रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका की टीम ने बिना कोई विकेट खोए 17.5 ओवर में हासिल कर मैच जीत लिया। साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। जैदा की चोट और टीम की हार ने वेस्टइंडीज की मुश्किलें और बढ़ा दीं हैं। यह मैच वेस्टइंडीज के लिए निराशाजनक साबित हुआ, क्योंकि उन्हें न केवल हार का सामना करना पड़ा, बल्कि उनकी एक आलराउंडर खिलाड़ी भी घायल हो गई।

बर्ड फ्लू का प्रकोप, वियतनाम के चिड़िया घरों में 47 बाघों की मौत ने बढ़ाई चिंता

हनोई,(ईएमएस)। दक्षिणी वियतनाम के चिड़ियाघरों में बर्ड फ्लू के कारण एक तेंदुआ, तीन शेर और 47 बाघों की मौत हो गई है। इसने स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है कि यह वायरस मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटनाए अगस्त और सितंबर में दो चिड़ियाघरों में हुई हैं। ये चिड़ियाघर लॉन्ग एन प्रांत के प्राइवेट माई क्विन सफारी पार्क और राजधानी हो ची मिन्ह सिटी के डोंग नाई में स्थित हैं। नेशनल सेंटर फॉर एनिमल हेल्थ डायग्नोसिस के परीक्षण परिणामों ने पुष्टि की है कि जानवरों की मौत एच5एन1 टाइप ए वायरस के कारण हुई है। चिड़ियाघरों के कर्मचारियों में अभी तक ब

ऐसी स्थिति बनाएं जिसमें नागरिकों को विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का घर बैठे लाभ मिले : मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा सेवाओं के लाभ नागरिकों को घर बैठे पहुँचाने की व्यवस्था का निर्माण करें, जिससे शिकायत के लिए कोई संभावनाहीनरहे। भूपेन्द्र पटेल शनिवार को गांधीनगर में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) कैम्पस में गुजरात सूचना आयोग द्वाराआयोजितसूचनाअधिकार (आरटीआई)सप्ताहकेशुभारंभ अवसरपर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा किप्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी ने जनता कोघरबैठे योजनाओं का लाभ पहुँचाने वाली व्यवस्था का लक्ष्य रखा है। इस व्यवस्था के तहत नागरिकों को सेचुरेशन यानी 100 प्रतिशत लाभ पहुँचाने का सरकार का प्रयास है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इन नियमों-कार्यपद्धतियों की स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि उन्हें देय लाभ किस तरह मिलेंगे। नागरिकों को घर बैठे पारदर्शी ढंग से सेवा मिलेगी, तो आरटीआई के तहत आवेदन भी कम हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अधिक से अधिक लोकोपयोगी हो सके, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदा-सर्वदा प्रयास किए हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री पर नागरिकों का विश्वास दिन-प्रतिदिन बढ़ा है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरकारी नियम-कार्यपद्धतियाँ जितने ओपन होंगे, उतनी ग्रिवेंसेस घटेंगी। उन्होंने बलपूर्वक कहा कि लोकतंत्र में अधिकार एवं कर्तव्य दोनों शामिल हैं। कर्तव्य के साथ हमारे कर्तव्य निभाना भी उतना महत्वपूर्ण है। गुजरात के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1995 में गुजरात का बजट 26 से 30 हजार करोड़ रुपए था, जो आज 3.32 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। सरकारी योजनाओं का विस्तार हुआ है। इस स्थिति में नागिकों का सहयोग मिलना भी जरूरी है। हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं, तब किसी राग-द्वेष के स्थान पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होना जरूरी है। विकसित भारत के लिए एक होकर कार्य करना होगा। गुजरात द्वारा चक्रवात के विरुद्ध एकजुट होकर किए गए सामूहिक प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि चक्रवात के समय जनता, जन प्रतिनिधियों एवं सरकारी प्रशासन द्वारा किए गए कार्य की देश-विदेश ने भी प्रशंसा की है और सामूहिक प्रयासों से आपदा का सामना करने में सफलता मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प में गुजरात एकजुटता के साथ आगे बढ़ेगा।

भारत सरकार के मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया ने गुजरात सरकार की आधुनिक टेक्नोलॉजी का अधिकतम् उपयोग कर सूचना अधिकार अधिनियम (आरटीआई एक्ट) को लेकर आवेदकों को सुगमता देने के गुजरात सूचना आयोग के कामकाज को सराहा। श्री सामरिया ने कहा किप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अंतर्गत समग्र देश में आम नागरिक को भी सूचना प्राप्त करने का अधिकार मिलता है, जिससे प्रशासन व लोगों के बीच पारदर्शिता से सरकार पर विश्वास बढ़ता है। आरटीआई एक्ट से देश के आम आदमी के लिए सूचना पाना आसान बना है और सरकार में पारदर्शिता बढ़ी है। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि सरकार के सभी विभागों को अपनी वेबसाइट पर सूचना रखनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश में कई लोग आरटीआई एक्ट से अनजान हैं। उनके लिए आरटीआई से जुड़ी तमाम जानकारी आम आदमी को उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न सेमिनारों व कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर उन्हें इस एक्ट से अवगत करना चाहिए।

भायली में नाबालिग लड़की से गैंगरेप, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

वडोदरा (ईएमएस) नवरात्रि के पावन पर्व पर वडोदरा से गैंगरेप की घटना सामने आई हैं वडोदरा के भायली में अपने दोस्त के साथ बैठी एक नाबालिग लड़की के साथ दो अज्ञात शख्सों ने सामूहिक दुष्कर्म किया घटना के वक्त आरोपियों का तीसरा साथी ने पीड़ित लड़की के दोस्त को पकड़ रखा था शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी हैं जानकारी के मुताबिक वडोदरा में नाबालिग पीड़िता रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपनी दोस्त से मिली और उसके साथ स्कूटी पर बैठ कर भायली स्थित आशापुरा मंदिर चले गए रात 12 बजे दो बाइक पर पांच लोग वहां पहुंचे इन दोनों के पास पहुंच गए और पीड़ित लड़की के साथ से अभद्र भाषा में बात की जब दोनों ने इसका विरोध किया तो एक शख्स ने पीड़िता के दोस्त को पकड़ लिया और दो शख्सों ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया जबकि अन्य बाइक सवार अन्य दो लोग घटना से पहले ही वहांसे चले गए थे कुछ देर बाद स्थिति ठीक होने पर पीड़िता ने पुलिस को घटना की जानकारी दी घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए पुलिस के मुताबिक पीड़िता गरबा नहीं खेलती थी और ना ही उसने पारंपरिक गरबा ड्रेस भी पहनी थी सुबह 4 बजे थाने में पीड़िता की काउंसिलिंग की पीड़िता के मुताबिक वह बचपन के दोस्त से मिलने और बात करने गई थी दोनों लोग रोड डिवाइडर पर बैठक बात कर रहे थे तभी दो बाइक सवार पांच लोग उनके पास पहुंचे और अभद्र भाषा में बातचीत करने लगे आरोपी हिन्दी और गुजराती दोनों भाषा में बात कर रहे थे इस घटना में पांच में से दो लोग पहले ही वहां से चले गए थे फिलहाल इस मामले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए वडोदरा ग्रामीण और शहर पुलिस की विभिन्न शाखाओं द्वारा कार्रवाई की जा रही हैं

गुजरात की बेटियों को गुजरात पुलिस से भरोसा उठा, भायली गैंगरेप पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया

अहमदाबाद (ईएमएस) वडोदरा के भायली में नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर गुजरात कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी हैं कांग्रेस ने कहा कि गुजरात के बहन-बेटियों का गुजरात की पुलिस पर से भरोसा खत्म हो चुका है, ऐसे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी को लोगों में पुनः विश्वास स्थापित करना चाहिए गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता निशांत रावल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आंकड़ों के अनुसार पिछले 5 वर्षों में राज्य में 6524 बलात्कार और 95 सामूहिक बलात्कार की घटनाएं हुई हैं यानी गुजरात में हर दिन 6 बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। ऐसा लगता है कि गुजरात महिलाओं और लड़कियों के साथ हिंसा और दुर्व्यवहार का केंद्र बनता जा रहा है और विशेष रूप से वडोदरा गुजरात का केंद्र बनता जा रहा हैं खासकर गृह मंत्री हर्ष भाई संघवी के गृह जिले सूरत और प्रभारी जिले वडोदरा में दिन-ब-दिन हिंसा बढ़ रही है। कल रात 12 बजे के करीब भायली क्षेत्र में अपने युवा मित्र के साथ बैठी एक नाबालिग लड़की के साथ 2-3 नराधमों द्वारा सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई है, खासकर नवरात्रि के अवसर पर। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी घटना से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बेहद गंभीर सवाल खड़ा होता हैं भायली की घटना बेहद गंभीर और दुखद घटना हैं खासकर उस इलाके में जहां नियमित पुलिस गश्त की जरूरत हैं लेकिन वडोदरा पुलिस इसमें में विफल हो रही हैं एक ओर राज्य के गृह मंत्री सुबह 5 बजे तक गरबा करने की बात करते हैं और दूसरी तरफ जब गुजरात की महिलाएं असुरक्षित माहौल में रहती हैं ऐसे में भायली क्षेत्र में माता-पिता के लिए अपनी बेटियों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया हैं कुछ दिन पहले ही दाहोद में 6 साल की बच्ची से रेप की कोशिश और मौत की घटना सामने आई थी, जिसमें आरएसएस से जुड़ा प्रिंसिपल शामिल था हाल ही में वडोदरा जिले में भाजपा कार्यकर्ता ने एक महिला के घर में घुसकर उसके साथ बलात्कार किया था, जिसमें पीड़िता की 10 घंटे तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी ऐसी घटनाओं पर तथाकथित विश्व हिंदू परिषद जैसे हिंदू संगठन चुप क्यों बैठे हैं? वड़ोदरा में शी टीम को दी गई पुलिस जीप में एक पुरुष कांस्टेबल को नशे में पकड़ा गया, ऐसी घटनाओं पर भी रोकलगनी चाहिए ऐसी घटनाओं से गुजरात की बेटियों का गुजरात पुलिस पर सेविश्वास उठता जा रहा हैं राज्य के गृह मंत्री हर्षभाई संघवी को चाहिए कि वहलोगों पुनः विश्वास बहाल करें मैं गुजरात कांग्रेस की ओर से गृह मंत्री से अपील करता हूं कि गुजरात की महिलाओं और बेटियों कीसुरक्षाके लिए अधिक पुलिस गश्त के माध्यम से सुरक्षा प्रदान की जाए औरभायलीसामूहिक दुष्कर्म की घटना में पुलिसकोकड़ी कार्रवाई करते हुए दोषियों को ढूंढकर कोर्ट के माध्यम से फास्ट ट्रैकमेंफांसी की सजा दिलाएं

गुजरात में पहली बार 367 करोड़ की लागत से बनेगा बैराज-कम-ब्रिज

अहमदाबाद,5 अक्टूबर

साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के चरण-दो के तहत, पश्चिम में टोरेंट पावरहाउस से शाहीबाग तक 367 करोड़ रुपये की लागत से एक बैराज कम ब्रिज का निर्माण किया जाना है। इस पुल के निर्माण में आने वाला सारा खर्च गुजरात नगरपालिका वित्त बोर्ड से प्राप्त अनुदान से पूरा किया जाएगा।

रिवरफ्रंट परियोजना के अंतर्गत बैराज में रबर बैराज का संचालन एवं रखरखाव स्वचालित नियंत्रण प्रणाली पर आधारित होगा। शहर में पानी की कमी के समय कोटारपुरइनटेक वेल के माध्यम से लगभग 10 से 15 दिनों तक चलने वाला पर्याप्त पानी शुद्धिकरण के लिए भेजा जा सकता है।

साबरमती टोरेंट पावरस्टेशन (बीआरटीएस) रोड से कैंप सदर बाजार (एयरपोर्ट रोड) रोड दोनों किनारों को जोड़ने वाला एक पुल होगा। इससे पश्चिमी क्षेत्र के साबरमती, चांदखेड़ा, मोटेरा से पूर्वी क्षेत्र के हंसोल और एयरपोर्ट तक सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी. ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी.

चूंकि रबर बैराज का संचालन और रखरखावबैराजसहपुलोंकेबीच स्वचालित नियंत्रण प्रणाली पर आधारित है, इसलिए तदनुसार एक अद्वितीय एयरफील्ड रबर बैराज बनाया जाएगा ताकि नदी के प्रवाह को विक्षेपित करके बाधित न किया जा सके। रबर प्रकार का बैराज दक्षिण कोरिया को प्रदान किया गया है। राजकमल बिल्डर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को अहमदाबाद शहर के लिए कच्चा जल संग्रहण और सड़क नेटवर्क और सिविल और स्ट्रीट लाइट कार्यों का काम सौंपा गया है।

पुल के दोनों तरफ के फुटपाथ और रिवरफ्रंट रोड के लिए सभी तरफ मुख्य पुल से कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। मुख्य पुल डेक के निचले हिस्से में 3 मीटर चौड़ाई वाली तन्य छत वाला फुटपाथ बनाया जाएगा। पुल का मुख्य स्पैन 126 मीटर लोहे के आर्क का है और दोनों तरफ 42 मीटर का स्पैन सस्पेंडेड आर्क प्रकार का है

वरात्र के दौरान 1100 अखंड दीपों से मां की पूजा, वडोदरा के एक मंदिर में अनोखी परंपरा

वडोदरा, 5 अक्टूबर

वड़ोदरा मंदिर की खासियतः नवरात्रि यानी मां की आराधना का पर्व। जहां लोग विभिन्न तरीकों से माताजी की पूजा करते हैं, वहीं वडोदरा में स्थित एक मंदिर में गायत्री माता की अनोखे तरीके से पूजा की जाती है। वडोदरा के सेवासी में स्थित गायत्री माता मंदिर गुजरात का एक ऐसा मंदिर है जहां नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान 1,100 दीपक जलाए जाते हैं।

हिंदू धर्म के पवित्र त्योहार नवरात्रि में जब हर किसी के घर में अंखड दीवधा जलती है तो वहीं वडोदरा के सेवासी स्थित गायत्री माता के मंदिर में एक साथ एक हजार से ज्यादा दीपक जलते हैं और पूरा मंदिर जगमगा उठता है।

मंदिर परिसर में जलाए गए हजारों दीपकों में 1,200 किलोग्राम शुद्ध गाय के घी का उपयोग किया जाता है। इन लैंपों की पवित्रता बनाए रखने के लिए 24 घंटे निगरानी की जाती है। जिसके लिए अलग-अलग समय पर अलग-अलग ब्राह्मण विशेष सेवा करते हैं। नवरात्रि के दौरान की जाने वाली माताजी की इस अनूठी पूजा का आनंद लेने और गायत्री माता का आशीर्वाद लेने के लिए लोग दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) राज्य में नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध के बावजूद अक्सर नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं सूरत शहर में फिर एक बार ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा हुआ हैं सूरत पुलिस ने एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं पुलिस ने 3.11 ग्राम एमडी ड्रग्स, नकद और कार समेत कुल 15 लाख रुपए का माल जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत की खटोदरा पुलिस गश्त पर थी उस वक्त पुलिस को सूचना मिली कि शहर के उधना मगदल्ला रोड पर नवजीवन सर्कल के निकट ब्लैक कलर की कार में एक शख्स एमडी ड्रग्स बेच रहा हैं सूचना के आधार पर खटोदरा पुलिस तुरंत एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई जहां से पुलिस ने 3.11 ग्राम एमडी ड्रग्स, रु. 2.16 लाख नकद, एक इलेक्ट्रिक वजन कांटा, दो मोबाइल और कार समेत कुल रु. 15.17 लाख माल जब्त कर लिया

लक्ष्मी विलास पैलेस हेरिटेज गरबा प्रबंधन के थगाथियाः महिलाओं के लिए सुरक्षा का अभाव, छेड़छाड़ और मारपीट के दृश्य

वडोदरा, 5 अक्टूबर

लक्ष्मी विलास पैलेस हेरिटेज गरबाः थगाथिया लक्ष्मी विलास हेरिटेज गरबा के भव्य पैमाने पर सामने आया है। खुलासा हुआ है कि गरबा खेलने आने वाली लड़कियों की सुरक्षा समेत तमाम मामलों में एलवीपी का पूरा प्रबंधन गड़बड़ा गया है. इस वजह से एलबीपी के गरबा में लड़कियों से छेड़छाड़ की गई, मारा मारी दोस्त बनाया गया और पता चल रहा है कि प्रबंधन ने पास के मामले में भी लड़कियों के साथ अभद्र व्यवहार किया. ऐसे में लड़कियां एलबीपी गरबा आयोजकों के खिलाफ काफी गुस्सा दिखा रही हैं.

वर्तमान समय में जब नवरात्रि का त्योहार चल रहा है तो अलग-अलग घरों में बड़ी संख्या में पोशाकें लाकर मैदान में जमा की जाती हैं. इस बीच लक्ष्मी विलास पैलेस हेरिटेज गरबा में नए विवाद सामने आ रहे हैं. कल 4 अक्टूबर को मैदान में महिला-पुरुषों के दो समूह गरबा खेल रहे थे. इसी बीच किसी कारण से दोनों गुटों में मारपीट हो गयी. इसी बीच मामला इतना बढ़ गया कि दोनों गुट के लड़के-लड़कियां आमने-सामने आ गये और मारपीट करने लगे. एक समय तो लोग खुले हाथों से लड़ाई करते दिखे जैसे कि लक्ष्मी विलास पैलेस कोई गरबा मैदान हो। कुछ युवक-युवतियों को चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मैदान पर सरेआम मारपीट के दृश्य के बावजूद एलवीपी गरबा आयोजक समेत लोगों की गंभीर लापरवाही उजागर हुई. सूत्रों के अनुसार मारपीट का मामला रावपुरा पुलिस माता तक पहुंच गया। लेकिन अब तक रावपुरा पुलिस द्वारा शिविर की शिकायत दर्ज नहीं करने पर उन्होंने सवाल खड़ा किया है. पुलिस पर कई सवाल उठ रहे हैं कि रावपुरा पुलिस गरबा को बदनाम होने से बचाने के लिए कोई प्रयास नहीं करती.

जहां पूरी दुनिया नवरात्रि पर्व के अवसर पर जगतजनिमा जगदंबा की आराधना में लीन है, वहीं मोतीबाग मैदान में आयोजित लक्ष्मी विलास पैलेस हेरिटेज गरबा में बेटियों के साथ अभद्र व्यवहार का वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में कम ग्रेड पास करने और रिबन काटने के कारण प्रबंधन द्वारा बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। एक तरफ तो राधिकाराज गायकवाड़ महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन यहां उनके ही प्रबंधन का दोहरा रवैया फूट गया है. हालाँकि लड़की ने पहले ही रुपये का भुगतान कर दिया था, लेकिन बेटी ध्ध्ध्ध् के माध्यम से अतिरिक्त 1000 रुपये की मांग कर रही थी। इससे गरबे खेलने आने वाली लड़कियों में भारी नाराजगी फैल गई है.

लक्ष्मीविलास पैलेस हेरिटेज गरबा में आयोजकों की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है. मानों एलवीपी प्रबंधन की रुचि सिर्फ पैसा बटोरने में है, खिलाड़ियों की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. 4 अक्टूबर को गरबा खेलने के दौरान एक लड़की से दूसरे ग्रुप के युवक द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया था. सामान्य गर्मी भी तेज हो गयी थी. इसके चलते लड़की के परिजन सहित अन्य लोग शिकायत दर्ज कराने रावपुरा थाने पहुंचे। लेकिन अंत में पता चला कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है.

गांधीनगर में बजरंग दल-विहिप कार्यकर्ताओं ने खिलाड़ियों का मजा किरकिरा किया, तिलक के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश में पुलिस ने किया लाठीचार्ज

गांधीनगर,5 अक्टूबर

गांधीनगर के सरगासन में दूसरे नॉर्ट गरबा में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए, जहां खिलाड़ियों को तिलक लगाकर थप्पड़ मारे गए। इस बीच पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इस मामले में गांधीनगर पुलिस ने अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है.

गुजराती का सबसे बड़ा त्योहार शुरू हो चुका है. खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है. गरबा प्रेमी महंगे पास खरीदकर गरबा खेलने जाते हैं। तब गांधीनगर में सरगासन क्रॉस रोड के पास शेरी अफेयर्स में गरबा का आयोजन किया गया था। जिसमें एक दिन के पास की कीमत 12000 रुपये है तो शुक्रवार को ब्लैक रुपये. कीमत 20,000 तक बताई गई. इतने महंगे पास खरीदकर गरबा खेलने गए खिलाड़ी का रंग उड़ गया.

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को 50 से 60 बजरंग दल और वीएचपी कार्यकर्ताओं की भीड़ सरगासन स्ट्रीट अफेयर्स गरबा में तिलक करने पहुंची. इसी बीच गरबा में आम लोगों के साथ जबरदस्ती हो रही आयोजकों ने पुलिस को सूचना दे दी. इसलिए जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई. मामला बढ़ता देख पुलिस को मजबूरन हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

तिलक पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ विधर्मियों ने गरबा का भी आयोजन किया है. जब हम तिलक पहुंचे तो इसका आयोजन कौन कर रहा था, इसकी कोई जानकारी नहीं थी. तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और बाउंसरों से झड़प हो गई. तो मामला बढ़ गया और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा. पुलिस ने कहा कि अगर गरबा में या आयोजक में भी कोई विधर्मी हो तो पुलिस को सूचित किया जाए, लेकिन ऐसा कोई प्रतिवेदन या सूचना नहीं मिली. कानून को इस तरह से नहीं लेना चाहिए. हालांकि, इस मामले में कोई अपराध दर्ज नहीं किया गया है और मामले को शांत रखा गया है.

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक शंभूजी ठाकोर का निधन

गांधीनगर (ईएमएस) भाजपा के वरिष्ठ नेता और गांधीनगर दक्षिण के पूर्व विधायक शंभूजी ठाकोर का आज सुबह निधन हो गया 74 साल के शंभूजी ठाकोर लंबे समय से बीमार थे आज सुबह शंभूजी ठाकोर ने अंतिम सांस ली। शंभूजी ठाकोर की अंतिम यात्रा उनके आवास से सेक्टर 30 स्थित अंतिम संस्कार गृह तक निकलेगी। शंभूजी ठाकोर 2012 और 2017 में विधायक चुने गए थे शंभूजी ठाकोर गुजरात विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं बता दें कि शंभूजी ठाकोर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे वर्ष 2012 और 2017 में वह गुजरात के गांधीनगर दक्षिण से विधायक चुने गये। हालाँकि भारतीय जनता पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में उनकी जगह अल्पेश ठाकोर को गांधीनगर दक्षिण सीट से टिकट दिया था शंभूजी ठाकोर के निधन पर अल्पेश ठाकोर ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया हैं अपने ट्वीट में अल्पेश ठाकोर ने लिखा ''पूर्व विधायक शंभूजी ठाकोर स्वर्गवास हो गया है। मैं इस प्रार्थना के साथ अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं कि सर्वशक्तिमान ईश्वर उनकी दिव्य आत्मा को शांति और सद्गति प्रदान करें और उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में दर्द सहने की शक्ति दें। ॐ शांति''

MG विंडसर बनी पहले दिन 15,176 बुकिंग हासिल करने वाली भारत की पहली पैसेंजर ईवी

04 अक्टूबर, 2024: भारत की पहली इंटेलिजेंट **CUV, MG** विंडसर ईवी की बुकिंग गुरुवार, 3 अक्टूबर, 2024 की सुबह 7:30 बजे से शुरू हो गई है। बुकिंग शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर विंडसर ईवी को ग्राहकों की ओर से जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला है। 24 घंटे के भीतर, कंपनी को 15,176 यूनिट्स की बुकिंग प्राप्त हुई है। यह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली **MG** विंडसर भारत की पहली पैसेंजर **EV** बन गई है। **MG** विंडसर की यह उपलब्धि बताती है कि भारतीय बाजार में चार पहिया ईवी की मांग कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसके साथ ही ग्राहकों की यह प्रतिक्रिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर लोगों के रुझान में बदलाव को भी प्रदर्शित करती है।

ग्राहकों के इस शानदार रिस्पॉन्स के बारे में बात करते हुए **JSW MG** मोटर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर सतिंदर सिंह बाजवा ने कहा, हमारे ग्राहक जिन्होंने **MG** विंडसर को तहे दिल से अपनाया, उसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। हमारे ग्राहकों के इसी प्यार के चलते विंडसर ने केवल एक दिन में 15,176 बुकिंग का मील का पत्थर हासिल किया है।

इस उपलब्धि ने **MG** विंडसर को भारत के इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार की एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया है। **MG** विंडसर यह बेंचमार्क हासिल करने वाली पहली ईवी बन गई है। **MG** विंडसर की यह लोकप्रियता बताती है कि भारतीय कार खरीदारों के बीच टिकाऊ, किफायती और रायडर फ्रेंडली ट्रांसपोर्टेशन के विकल्पों की मांग कितनी तेजी से बढ़ रही है। हम इस बदलाव का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं, साथ ही हमारा प्रयास है कि हम आगे भी इसी प्रकार इनोवेटिव, इंटेलिजेंट और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशन पेश करते रहेंगे।''विंडसर **EV** में सेडान का आराम और **SUV** का बड़ा आकार, दोनों ही खूबियां देखने को मिलती हैं। इंटेलिजेंट **CUV** में एयरोडायनामिक डिज़ाइन, बड़ा और खूबसूरत इंटीरियर, आकर्षक लुक, भरोसेमंद सुरक्षा, स्मार्ट कनेक्टिविटी, ड्राइविंग आराम जैसे कई हाई-टेक फीचर्स दिए गए हैं।

Battery as a Service (BaaS) प्रोग्राम के तहत कार खरीदारों के लिए यह कार 9.99 लाख रुपये + 3.5 रुपये/किमी* की आकर्षक शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। इसे सीधे खरीदने का विकल्प भी उपलब्ध है, जिसके तहत इसकी कीमत 13,49,800 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

2005 से पहले के राज्य कर्मचारियों को मिलेगा पुरानी पेंशन योजना का लाभ, आज कैबिनेट में होगा फैसला

वडोदरा, 5 अक्टूबर

राज्य सरकार के 2005 से पहले के कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर आ रही है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में कल (रविवार) कैबिनेट बैठक होगी. फिर आज इस बैठक से पहले राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने बड़ी जानकारी दी है. उनके मुताबिक, गुजरात के 2005 से पहले के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा.

गुजरात राज्य कर्मचारी महासंघ एवं गुजरात राज्य संयुक्त मोर्चा की बैठक हुई. जिसमें राज्य सरकार ने कर्मचारियों की कुछ मांगें मान ली हैं. कल कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी दी जाएगी. बैठक में निश्चित वेतन योजना के मुद्दे पर भी चर्चा हुई. जिसमें तय वेतन की अवधि को कम करने की बात कही गई थी. कर्मचारी संघ प्रतिनिधि के मुताबिक, हमने राज्य सरकार के सामने 10 सवाल रखे हैं. जिनमें से कुछ को सरकार मानती है, ये कल पता चलेगा. फिर राज्य सरकार के कर्मचारियों को उम्मीद है कि नवरात्रि और दिवाली की स्थिति बेहतर होगी.

'कल कैबिनेट में मान ली जाएंगी मांगें'

प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा, 'कर्मचारी महामंडल और उसके सभी संबद्ध निकायों के पदाधिकारियों के साथ आज सकारात्मक माहौल में चर्चा हुई. कल कैबिनेट में उनकी मांगें मान ली जाएंगी. कैबिनेट की मंजूरी के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मंजूरी मिलने के बाद कल सभी घोषणाएं और परिपत्र भी जारी कर दिये जायेंगे. गुजरात के इतिहास में पहली बार एक सकारात्मक बात देखने को मिली कि कार्मिक बोर्ड ने कहा कि हमअपना जॉब चार्ट हैं। हमेंजो कामकरना है उसमें हम कितना अधिक काम करेंगे और उन कामों की गुणवत्ता बढ़ाने का भी प्रयास करेंगे। हम कर्मचारी संबंधी मामलों के लिए भीसकारात्मक सुझाव देंगे। इस प्रकारदोनों पक्षों के कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने इसे सकारात्मक बातके रूप में स्वीकार किया है, इसे लिखितरूपमेंभी दिया जाना है। गुजरात के2005से पहले के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा.

महंगाई ने घटाई रावण की मूर्ति की ऊंचाई, वडोदरा में दशहरे की तैयारियां जोरों पर

वडोदरा, 5 अक्टूबर

9 दिनों की नवरात्रि पूजा के बाद वडोदरा में दशहरा धूमधाम से मनाया जाता है। इसके लिए तैयारी कर ली गयी है. रावण, मेघदूत और कुंभकर्ण की विशाल मूर्तियां बनाने का काम अंतिम चरण में है. नॉर्थ इंडियन कल्चर एसोसिएशन की ओर से पिछले 42 वर्षों से रामलीला और रावण दहन का कार्यक्रम होता आ रहा है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं.

वडोदरा के पोलो ग्राउंड में हर साल दशहरे पर रावण दहन और रामलीला कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। रावण, मेघदूत और कुम्भकर्ण की मूर्ति बनाने में एक महीने का समय लगता है। जिसमें 22 कारीगर लाठी, कपड़े, बांस, रस्सी, कागज आदि का उपयोग करके रावण, कुंभकर्ण और मेघदूत के पुतले बनाते हैं।

जिसमें 50 फीट की रावण, मेघदूत और 40 फीट की कुंभकर्ण की मूर्ति तैयार की गई है. रावण दहन के लिए विजयादशमी का त्योहार मनाने के लिए हर साल लाखों लोग शहर में आते हैं।

खास बात यह है कि इस साल बनने वाली प्रतिमा की ऊंचाई पिछले साल से कम होगी. पिछले साल 51 फीट की रावण की मूर्ति बनाई गई थी और इसमें दारोगुला का भी जमकर इस्तेमाल किया गया था. लेकिन इस बार रावण का कद पिछले साल से छोटा रखा गया है. साथ ही पिछले साल मूर्ति बनाने में 30 कारीगरों का इस्तेमाल किया गया था, जबकि इस साल 22 कारीगर इस काम में शामिल हुए हैं.

हरणी हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

वडोदरा (ईएमएस) शहर के हरणी स्थित हवाई अड्डे को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर जांच की हांलाकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध पदार्थ या वस्तु नहीं मिली इस बात की जांच की जा रही है कि ईमेल किसने भेजा था हरणी एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे सीआईएसएफ को एक ईमेल मिला था सीआईएसएफ ने हरणी पुलिस को इसकी जानकारी दी और पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की घटना की सूचना मिलने पर उच्चाधिकारी भी एयरपोर्ट पहुंचे और बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्ते से टर्मिनल समेत आसपास के इलाके की जांच की गयी हालांकि कोई संदिग्ध पदार्थ या वस्तु नहीं मिली हरणी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद एच डिवीजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले पर बयान दिया कि मेल कल रात 11 बजे मिला था ये मेल देश के सभी एयरपोर्ट को मिला डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड ने जांच की। सेंट्रल आईबी और लोकल आईबी की टीम भी जांच में शामिल हुई वडोदरा एयरपोर्ट को दो महीने में दूसरी बार धमकी मिली हैं मेल भेजनेवाले के खिलाफ पुलिस ने जांच तेज कर दी हैं

रेल मंत्री ने की लोको निरीक्षकों से बात , लोको पायलटों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए लिए सुझाव

लोको निरीक्षकों ने कहा कि कवच जैसी टेक्नोलॉजी से पायलटों को मिलेगी मदद, बढ़ेगा विश्वास

वडोदरा, 5 अक्तूबर

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नासिक दौरे के दौरान मुख्य लोको निरीक्षकों से सुरक्षित रेल परिचालन, टेक्नोलॉजी के अपग्रेडेशन, लोको पायलटो के विश्राम,नियमित प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की और लोको निरीक्षकों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किये। नासिक स्थित भारतीय रेलवे विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (आईआरईईएन) में प्रशिक्षण ले रहे चीफ लोको इंस्पेक्टर्स के साथ रेल मंत्री ने भारतीय रेलवे पर लोकोमोटिव संचालन के आधुनिकीकरण और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

रेल मंत्री वैष्णव ने सामान्य रूप से अपने प्रशिक्षण अनुभवों और विशेष रूप से 'कवच' के उपयोग के बारे में सीएलआई से बातचीत की। सीएलआई ने इस बारे में अपनी अंतर्दृ